



संक्षिप्त

चीनी राष्ट्रपति का गलवान झड़प के बाद पहला भारत दौरा

ब्रिक्स में शामिल होंगे जिनपिंग, पीएम मोदी के साथ बैठक संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। अगर यह बैठक होती है तो जून 2020 में हुई गलवान हिंसा के



बाद दोनों नेताओं की भारत में पहली द्विपक्षीय बातचीत होगी। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने 4 सैनिकों की मौत की बात मानी थी। नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन होना है। इसमें चीन-रूस समेत 11 देश शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति पुतिन भी भारत आ रहे हैं। जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2019 में भारत का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मोदी से मुलाकात की थी।

डोभाल पिछले महीने चीन गए थे- भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 24 अगस्त को चीन गए थे। वहां 25 अगस्त को उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ सीमा विवाद समेत कई मुद्दों पर बातचीत की थी।

भाजपा के 7 मोर्चा प्रभारी घोषित, इनमें 2 मध्यप्रदेश से

हरीश द्विवेदी को युवा, सतीश पूनिया को एसटी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने 7 प्रमुख मोर्चों के प्रभारियों की घोषणा की। पार्टी ने युवा, महिला, एससी, ओबीसी किसान, एसटी और अल्पसंख्यक मोर्चों की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेताओं को सौंपी है।



सात में से सबसे ज्यादा 2 प्रभारी मध्य प्रदेश से हैं। पार्टी के मुताबिक, हरीश द्विवेदी को युवा मोर्चा और डी. पुरदेश्वरी को महिला मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सतीश पूनिया को एसटी मोर्च की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने संजय भाटिया को रूढ़ मोर्चा और वैजयंत पांडा को ओबीसी मोर्चा का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं, लाल सिंह आर्या को किसान मोर्चा और गजेंद्र पटेल को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। प्रभारी मोर्चों की कार्यकारिणी-टीम तैयार करेंगे ये सभी मोर्चों की कार्यकारिणी बनाने, प्रदेशों के प्रभारी तय करने और राज्यों में मोर्चे की टीम तैयार करने में मदद करेंगे।

मोर्चा प्रभारियों में राजस्थान-यूपी से एक-एक

● हरीश द्विवेदी ● डी. पुरदेश्वरी ● सतीश पूनिया ● संजय भाटिया ● वैजयंत पांडा ● लाल सिंह आर्या ● गजेंद्र सिंह पटेल

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा

भारत के पास 190 परमाणु बम, 225 और बनाने लायक प्लूटोनियम भी

समुद्र में बना रहा 'न्यूक्लियर कवच'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 23 दिसंबर 2025 को बंगाल की खाड़ी में के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। यह परमाणु हथियार ले जा सकती है। भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं। इनमें से 160 से ज्यादा हथियार ऐसी मिसाइलों और दूसरे सिस्टम के लिए तैयार हैं, जो परमाणु हमला करने में सक्षम हैं। यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पास 225 और परमाणु हथियार बनाने लायक प्लूटोनियम भी है। इसके अलावा समुद्र में 'न्यूक्लियर कवच' भी बना रहा है। भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं।

● भारत के पास 730 किलो प्लूटोनियम- रिपोर्ट के अनुसार 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलो हथियार बनाने वाला प्लूटोनियम होने का अनुमान है। इस तरह यह 225 वॉरहेड तक बना सकता है हालांकि रिपोर्ट खुद साफ करती है कि यह सिर्फ अनुमान है, वास्तविक संख्या वॉरहेड के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है।

● अग्नि-वी- एक मिसाइल, कई निशाने- भारत ने अग्नि-वी में एमआईआरवी तकनीक का परीक्षण किया है। इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है। 2024 के बाद मई 2026 में भी कई पैलोट के साथ परीक्षण हुआ। एफएएस का अनुमान है कि अग्नि-वी संभवतः तीन वॉरहेड ले जा सकती है, हालांकि ऐसा करने पर इसकी अधिकतम रेंज प्रभावित हो सकती है।

● नया रिफक्टर भी गेमचेंजर-अप्रैल 2026 में भारत के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिफक्टर ने पहली बार क्रिटिकलिटी हासिल की। एफएएस के अनुमान के मुताबिक 80 प्रतिशत क्षमता पर चलने पर यह सैद्धांतिक रूप से सालाना करीब 140 किलो प्लूटोनियम-239 पैदा कर सकता है। इससे करीब 35 वॉरहेड बन सकते हैं। आगे ऐसे और फास्ट ब्रीडर रिफक्टरों की योजना है मार्च, 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिफक्टर के नियंत्रण कक्ष का दौरा किया था।



पीएम मोदी ने बताया इसरो का मिशन

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार, 10 सितंबर को पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस समिट को



2040 तक चंद्रमा पर भारतीय

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ स्पेस डोमेन का समर्थन करता है। स्पेस की संभावनाएं असोमित हैं और हमारी जिम्मेदारी सामूहिक है।

बिहार में निर्माणाधीन पुल का भारी लॉन्चर गिरा, 7 कर्मचारी घायल

पटना/वैशाली (एजेंसी)। बिहार के वैशाली में पुल का भारी लॉन्चर गिर गया है। गुरुवार को भारतमाला परियोजना के तहत फोरलेन निर्माण के दौरान बड़ा हादसा हो गया। लालगंज थाना क्षेत्र के



जलालपुर पंचायत के इतवारपुर गांव के समीप निर्माणाधीन एनएच-139 डबल्यू के एक पुल पर काम के दौरान लॉन्चर मशीन अचानक गिर गई। हादसे में करीब सात मजदूर घायल हो गए।

वैशाली में भारतमाला प्रोजेक्ट का लॉन्चर गिरा-घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने बताया कि, हादसा उस समय हुआ जब निर्माणाधीन पुल पर लॉन्चर मशीन के जरिए निर्माण सामग्री को ऊपर ले जाने का काम किया जा रहा था। अचानक मशीन का हिस्सा गिर गया, जिसकी चपेट में काम कर रहे मजदूर आ गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।



जिसके चलते अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। यहां 26 जिलों में बाढ़ से 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बरेली में प्राचीन मंदिर रामगंगा नदी में समा गया। बारबंकी में सरयू के पानी में करीब 12 मकान डूब गए।

इधर, एमपी और राजस्थान में फ्ल्टहाल बारिश का दौर

इकलौती बहन बोली- 'मेरे पास टाइम नहीं'

कुरुक्षेत्र के अनाथ आश्रम संचालक ने किया भाई का अंतिम संस्कार

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हाल ही में सोनीपत से खून के रिश्तों की संवेदनशीलता को झकझोर देने वाली खबर सामने आई थी। तीन बेटियों ने दूरी और समय का हवाला देते हुए पिता के अंतिम संस्कार में आने से मना कर दिया था। बेटियां अस्थि विसर्जन में भी नहीं पहुंचीं। ऐसा ही मामला कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल से सामने आया है। 71 वर्षीय जुगल किशोर की मौत के बाद उनकी इकलौती बहन ने अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। अस्पताल में मौजूद बहन ने कथित तौर पर अस्थियां लेने से भी मना कर दिया। इसके बाद पिहोवा के बाबा फरीद अनाथ आश्रम ने आगे आकर जुगल किशोर का हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया और मौलवार को उनकी अस्थियों का सरस्वती नदी में विसर्जन भी किया।

सीजेपी प्रदर्शन में बच्चे पर हमले के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- 'तुरंत कार्रवाई करें, कोई उसे डरा नहीं सकता'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उन आरोपों को गंभीरता से लिया है जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी एक 14 साल की लड़की को धमकाया गया और उसके घर पर पत्थर फेंके गए। इस संबंध में कोर्ट ने तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया और मामले की गंभीरता पर जोर दिया।



यह मामला सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ के सामने आया। इस पर पीठ ने साफ किया कि नाबालिग को डराने-धमकाने के आरोप एक गंभीर मुद्दा है और किसी भी व्यक्ति को पीड़ित या उसके परिवार को आपराधिक केस चलाने के लिए डराने-धमकाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता से यह भी कहा कि वह पक्का करें कि नाबालिग की एफआईआर पर सही कार्रवाई की जाए।

● सत्य निकेतन हादसा केस हम हाई कोर्ट से केस ट्रांसफर नहीं करेंगे - सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को अपने पास ट्रांसफर नहीं कर रहा है क्योंकि कार्रवाई शुरू हो गई है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और अर. महादेवन की बेंच ने कहा कि वे मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं करना चाहते और हाई कोर्ट थोड़े-थोड़े समय के अंतराल पर अपने निर्देशों के पालन की निगरानी करता रहेगा। ● हाईकोर्ट ने सीजेपी नेताओं से कहा- बीजेपी नेता गौरव भाटिया के खिलाफ पोस्ट हटाएं- दिल्ली हाईकोर्ट ने कारकोच जनता पार्टी और उसके नेता अभिजीत दीपक, सौरभ दास और आशुतोष राका को बीजेपी नेता और वकील गौरव भाटिया के खिलाफ अपलोड किए गए पोस्ट को हटाने को कहा है। जस्टिस तुषार राव गंडेला की बेंच ने कहा कि बिना वैरिफाई किए किसी पर हमला करना ठीक नहीं है।

अमृता फडणवीस बोलीं-मुझे ट्रोल होने वाली पॉलिटिकल वाइफ बना रहे

गरबा में मुस्लिमों की एंट्री की बात दोहराई; कहा- त्योहारों में भेदभाव नहीं होना चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री के समर्थन में फिर से अपनी बात दोहराई। उन्होंने कहा- मुझे इस मुद्दे पर पॉलिटिकल वाइफ बनाकर ट्रोल किया जा रहा है। लेकिन मैं पॉलिटिकल नहीं हूं। मैं एक सोशल एक्टिविस्ट और नागरिक के तौर पर अपनी राय रखती हूं।



अमृता ने बुधवार रात नागपुर में एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से कहा- नवरात्रि और गरबा जैसे त्योहार सभी को साथ लेकर चलने वाले हैं। इनमें जाति-धर्म का भेद नहीं होना चाहिए। पहचान पत्र जांचना अच्छी प्रैक्टिस है, लेकिन धर्म के आधार पर लोगों की जांच सही नहीं है। इससे पहले अमृता ने मंगलवार को कहा था कि अगर मुस्लिम गरबा देखने आते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है।

एमपी: मानसून कमजोर, तेज बारिश का दौर थमा

मध्य प्रदेश में फ्ल्टहाल बारिश का कोई सक्रिय सिस्टम नहीं है, जिसके चलते तेज बारिश का दौर थम गया है।

राजस्थान: आज से फिर बारिश का दौर, 10 शहरों में पारा 35 डिग्री पार- मौसम विभाग ने राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। शुक्रवार को 5 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। इसके बाद 12 और 13 सितंबर को भरतपुर, जयपुर, अजमेर, कोटा और उदयपुर संभाग के इलाकों में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।



नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में पटना, मुंगेर और भागलपुर समेत 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। पांच हजार से ज्यादा स्कूल बाढ़ में डूबने के चलते बंद किए गए हैं। राज्य में गंगा, कोसी और गंडक जैसी नदियां उफान पर हैं। इनके किनारे के 500 से ज्यादा रमशान घाट डूबे हैं,

बिहार के 14 जिलों में बाढ़, 5 हजार स्कूल बंद

यूपी के बाराबंकी में घर बहे, बरेली में मंदिर डूबा, मप्र-राजस्थान में बारिश थमी

थमा हुआ है। एमपी में अगले 3 दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है। राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश शुरू होने का अनुमान है। बुधवार को यहां 10 शहरों में तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा।

बिहार में बाढ़ से 43 लाख प्रभावित- बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में करीब 43 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, 14 जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों में बाढ़ का असर है। उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज कहीं-कहीं भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं हरिद्वार, पौड़ी



और उत्तरकाशी में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-बौछारें पड़ सकती हैं। राज्य के बाकी हिस्सों में भी कई जगह हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

संपादकीय

प्रतिबंध से ऊपर नशा तंत्र

उत्तराखंड में नशे का कारोबार राज्य गठन से पूर्व ही व्यापक तौर पर फैला हुआ था। राज्य गठन के बाद यहां की सरकारों ने नशे की बढ़ती लत और इसके साम्राज्य को तोड़ने के लिए पुलिस बल को व्यापक अधिकार दिए तो वही इसके लिए अतिरिक्त पुलिस इकाइयों की स्थापना कर इस काले कारोबार के सरगनाओं को टारगेट करने का कार्य शुरू किया। दुर्भाग्य से सरकार और पुलिस की यह कोशिश पूरी तरह से धरातल पर नहीं उतर पाई। आज उत्तराखंड के चप्पे चप्पे पर नशा उपलब्ध है जिसमें महिला, पुरुष और हर उम्र के लोग शामिल हैं। इस काले कारोबार के पीछे छिड़े सरगना हमेशा पुलिस के लिए एक बड़ी पहेली बने रहे हैं। सरकारें समय-समय पर नशे के खिलाफ अभियान चलाती हैं, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई करती हैं, अदालतें कड़ी टिप्पणियां करती हैं और कानूनों को और सख्त बनाया जाता है। इसके बावजूद नशे का कारोबार रुकने के बजाय कई क्षेत्रों में बढ़ता दिखाई दे रहा है। नशे के कारोबार की जड़ें केवल तस्करी तक सीमित नहीं हैं। इसके पीछे बढ़ती मांग, बेरोजगारी, आसान कमाई की लालसा और युवाओं में बढ़ता तनाव भी प्रमुख कारण हैं। जब तक नशे की मांग बनी रहेगी, तब तक इसकी आपूर्ति करने वाले नए रास्ते खोजते रहेंगे। उत्तराखंड सहित देश के कई राज्यों में युवाओं के बीच नशे की लत बढ़ने की खबरें सामने आती रहती हैं। स्कूलों और कॉलेजों के आसपास नशीले पदार्थों की उपलब्धता ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। आधुनिक जीवनशैली, सोशल मीडिया का प्रभाव और मित्रों का दबाव भी युवाओं को नशे की ओर धकेलने वाले कारकों में शामिल हैं। कई बार जिज्ञासा के रूप में शुरू हुआ प्रयोग धीरे-धीरे आदत और फिर लत में बदल जाता है। नशे के कारोबार का एक बड़ा पहलू इसकी आर्थिक ताकत भी है। अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार में भारी मुनाफा होता है। यही कारण है कि अपराधी गिरोह जोखिम उठाने से पीछे नहीं हटते। तकनीक और संचार के आधुनिक साधनों ने भी तस्करी को नए तरीके उपलब्ध करा दिए हैं। ऐसे में केवल पुलिस कार्रवाई से इस समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। परिवार, विद्यालय और समाज को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना होगा जहां युवा सकारात्मक गतिविधियों की ओर आकर्षित हों। खेल, रोजगार और कोशल विकास के अवसर बढ़ाने होंगे। नशे के शिकार लोगों के लिए पुनर्वास और परामर्श सेवाओं को भी मजबूत बनाना होगा, ताकि वे सामान्य जीवन में वापस लौट सकें। सीमावर्ती क्षेत्रों और सेवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने के साथ-साथ नशे के नेटवर्क की आर्थिक जड़ों पर प्रहार करना होगा। केवल छोटे तस्करों को पकड़ने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा, बल्कि पूरे तंत्र को ध्वस्त करने की आवश्यकता है। के खिलाफ लड़ाई केवल कानून की नहीं, बल्कि समाज की भी लड़ाई है। सख्ती और प्रतिबंध आवश्यक हैं, लेकिन इनके साथ जनजागरूकता, सामाजिक सहयोग और युवाओं के लिए बेहतर अवसर भी उतने ही जरूरी हैं। जब समाज स्वयं नशे के विरुद्ध खड़ा होगा, तभी इस बढ़ती चुनौती पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा कन्यादान जगुरूकता अभियान और नशा मुक्ति की शपथ दिलाने जैसे कार्यक्रमों से कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

चिंतन-मनन

रन्मार्ग की प्रवृति

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे। इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भगवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शास्त्र एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रेतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निदेशानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।



हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने राज्य के आर्थिक और औद्योगिक परिदृश्य में एक नए युग का आगाज किया है। वार्षिक निवेश बैठक एआईएम काग्रिस 2026 में भाग लेने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्य को वैश्विक मंच पर एक सशक्त, भरोसेमंद और संभावनाओं से भरे औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हालिया दुबई दौरा राज्य के आर्थिक विकास और वैश्विक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। दुनिया के प्रमुख व्यापारिक केंद्र दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश क्षमताओं को बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत करते हुए निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा प्रयास किया। यह दौरा न केवल एमपी की छवि को नया रूप देने वाला रहा, बल्कि भविष्य में निवेश के लिहाज से और युवाओं को रोजगार के लिहाज से मध्यप्रदेश के लिए कई संभावनाओं के नए द्वार भी खोलेगा। मध्यप्रदेश अपनी कई विशिष्ट पहचानों के कारण पूरे देश में अपनी विशेष पहचान बनाने में कामयाब हुआ है। प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियां, विस्तृत लैंड



कातिलाल मांडोट

भारत का सिंधु जल पर बढ़ता अधिकार पाकिस्तान के लिए उसके अपने किए की सजा...

पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता आया है। सीमा पार से आतंकियों को प्रशिक्षण देना, उन्हें भारत में हिंसा फैलाने के लिए भेजना और आतंकी घटनाओं के बाद भी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करना उसकी नीति का हिस्सा बन चुका है। लेकिन हर कार्रवाई की एक कीमत होती है और अब पाकिस्तान को अपने इसी रवैये की कीमत पानी के मोर्चे पर चुकानी पड़ रही है। पहलुगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का जो कठोर निर्णय लिया, उसके प्रभाव अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। लद्दाख में सिंधु नदी पर चेक डैम का निर्माण इसी बदलती तस्वीर का संकेत है। लद्दाख के उपशी में सिंधु नदी पर तैयार किया गया पहला रॉक चेक डैम केवल पानी रोकने वाली एक छोटी परियोजना नहीं है। यह बदलते भारत की सोच और उसकी जल नीति का प्रतीक है। जिस सिंधु नदी के पानी को लेकर भारत ने दशकों तक संधि की मयार्दाओं का पालन किया, उसी नदी के पानी का अपने लोगों के हित में बेहतर इस्तेमाल करने की दिशा में अब कदम बढ़ रहे हैं। उपशी में तैयार चेक डैम में पानी जमा होना और उसके माध्यम से आसपास के खेतों तक सिंचाई पहुंचने की संभावना लद्दाख जैसे दुर्गम और पानी की कमी वाले क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह शुरूआत भर है। लद्दाख में सिंधु नदी पर 36 और चेक डैम बनाने की तैयारी की जा रही है। इनमें लेह में सात हिमालयन

बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, स्किल्ड मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेशकों को बेहतर वातावरण प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। एक दौर था जब एमपी की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, अब उद्योगों के अनुकूल नीति और निवेश की भरपूर क्षमताओं से एमपी देश के साथ ही दुनिया के निवेशकों के दिल जीत रहा है। औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए राज्य में अब केवल 29 दिन में जमीन उपलब्ध करवाई जा रही है। मोहन सरकार में लगभग 15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। प्रदेश में ऑन द स्पॉट लैंड अलॉटमेंट हो रहा है। मध्यप्रदेश में 1 लाख से अधिक इंस्टिट्यूल लैंड बैंक और 5 लाख किलोमीटर से अधिक रोड नेटवर्क है।राज्य सरकार की निवेशकों के अनुकूल नीतियां और अनेक प्रोत्साहन राज्य में व्यापार और उद्योग की नई संभावनाएं के द्वार खोल रही हैं जिससे निवेशक मध्यप्रदेश की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख कंपनियों और उद्योगपतियों से मुलाकात की। दुबई के व्यापारिक समुदाय के साथ हुई बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है, जहां टेक्स टूट, तेज मंजूरी प्रक्रिया और कुशल कार्यबल उपलब्ध है। दुबई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वैश्विक निवेशकों और प्रमुख उद्योग समूहों के साथ वन टू वन बैठकों में लॉजिस्टिक्स, रिन्यूएबल एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 53,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगी। शराफ ग्रुप द्वारा रेल-साइडिंग लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 450 करोड़ रूऔर रिन्यूएबल एनर्जी व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर

आतंकवाद बोया पाकिस्तान ने, अब सिंधु का पानी भी भूलना होगा

रॉक चेक डैम और करगिल में 29 चेक डैम प्रस्तावित बताए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं पर करीब 56 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है। यानी भारत अब सिंधु नदी को केवल सीमा पार बह जाने वाली नदी के रूप में देखने के बजाय अपने किसानों, अपने गांवों और अपने सीमावर्ती क्षेत्रों की जल जरूरतों से जोड़कर देख रहा है। लद्दाख की परिस्थितियां किसी से छिपी नहीं हैं। ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में पानी का संकट हमेशा बड़ी चुनौती रहा है। खेती का मौसम सीमित है और बुवाई के समय पानी की उपलब्धता किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में चेक डैम जैसी छोटी लेकिन प्रभावी जल संरचनाएं स्थानीय स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकती हैं। प्राकृतिक चट्टानों से तैयार की गई ऐसी संरचनाएं पानी को रोकने, भूजल स्तर सुधारने और खेतों तक पानी पहुंचाने में उपयोगी हो सकती हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बनाए जा रहे इन ढांचों से जल संरक्षण और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश भी दिखाई देती है। पाकिस्तान के लिए परेशानी यहीं से शुरू होती है। दशकों से पाकिस्तान ने सिंधु नदी प्रणाली पर अपनी कृषि और जल व्यवस्था को खड़ा किया है। उसकी बड़ी आबादी की आजीविका खेती से जुड़ी है और सिंधु नदी तथा उसकी सहायक नदियां उसके लिए जीवनरेखा जैसी हैं। इसके बावजूद पाकिस्तान ने भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने और आतंकवाद पर निर्णायक कार्रवाई करने के बजाय बार-बार वही रास्ता चुना, जिसने दोनों देशों के बीच अविश्वास को गहरा किया। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि पानी कोई ऐसा विषय नहीं है जिसे आतंकवाद से अलग करके देखा जा सकता है। जब एक देश लगातार दूसरे देश के नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने वाली गतिविधियों को रोकने में विफल रहता है, तो वह द्विपक्षीय संबंधों को बुनियादी जमीन को स्वयं कमजोर करता है। भारत ने वर्षों तक संधि का सम्मान किया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारत ने अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को निभाया। लेकिन जब आतंकवाद लगातार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती बनता रहा और पहलुगाम जैसी घटना ने देश को झकझोर दिया, तब भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि

आतंकवाद और सामान्य संबंध एक साथ नहीं चल सकते। भारत का सिंधु जल संधि को स्थगित करना इसी व्यापक नीति का हिस्सा है। इसका संदेश साफ है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत के साथ सामान्य संबंध बनाए रखने की उम्मीद एक साथ नहीं जा सकती। पाकिस्तान यदि भारत के खिलाफ आतंक का रास्ता चुनता है तो उसे उसके राजनीतिक, कूटनीतिक और रणनीतिक परिणामों के लिए भी तैयार रहना होगा। अब लद्दाख में सिंधु नदी पर बन रहे चेक डैम पाकिस्तान के लिए एक और संदेश लेकर आए हैं। भारत केवल बयान नहीं दे रहा, बल्कि अपनी जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जमीन पर योजनाएं तैयार कर रहा है। अपने वाले समय में यदि सिंधु नदी के पानी के बेहतर उपयोग की और योजनाएं बनती हैं तो पाकिस्तान के लिए यह समझना मुश्किल नहीं होगा कि पुराने दौर की परिस्थितियां वापस नहीं आने वालीं। पाकिस्तान की सरकार आज यदि अपने लोगों के सामने पानी की समस्या के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने की कोशिश करती है तो यह आधा सच होगा। असली सवाल यह है कि पाकिस्तान को ऐसी स्थिति में पहुंचाया किसने। भारत ने तो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है। पहलुगाम का आतंकी हमला किसने किया, आतंकियों को किस तरह का समर्थन मिलाता रहा, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान ने कितनी ईमानदार कार्रवाई की और दोनों देशों के संबंधों को किसने लगातार खराब किया, इन सवालों से पाकिस्तान की सरकार और उसकी व्यवस्था बच नहीं सकती। करोड़ों पाकिस्तानी नागरिकों के सामने पानी की चुनौती खड़ी होती है तो इसका दोष केवल भारत पर डाल देना आसान राजनीतिक रास्ता हो सकता है, लेकिन यह जनता को सच्चाई से दूर रखने जैसा होगा। पाकिस्तान की आवाम को यह सवाल अपनी सरकार से पूछना चाहिए कि भारत के साथ दुश्मनी और आतंकवाद की नीति ने देश को क्या दिया। आर्थिक संकट ने जुझता पाकिस्तान पहले ही अनेक मोर्चों पर परेशान है। ऐसे में पानी जैसी मूलभूत जरूरत से जुड़ा संकट उसके लिए और गंभीर चुनौती बन सकता है। भारत के लिए यह अवसर केवल पाकिस्तान पर

अग्रणी कंपनियों को प्रदेश के फूड पार्क, कोल्ड चेन, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स, नवकरणीय ऊर्जा और पर्यटन परियोजनाओं में पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया गया। दुबई दौरे में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दुबई के प्रमुख निवेशकों से मुलाकात की, जिसमें रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की अनेक संभावनाएं तलाशी गईं। राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत किए गए कई प्रोजेक्ट्स ने दुबई के कारोबारियों को अपनी तरफ आकर्षित किया और निवेश का भरोसा दिलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी निवेशकों को जनवरी 2027 में भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट) में भाग लेने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। कुल मिलाकर, डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट हब बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल है।यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि राज्य की युवा पीढ़ी के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। आने वाले समय में इस दौरे के सकारात्मक परिणाम देखने की मिलेगी, जब मध्य प्रदेश वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करेगा।दुबई का वैश्विक मंच मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर स्थायी रूप से स्थापित करने की दिशा में उनका एक निर्णायक कदम साबित हुआ है। डॉ.मोहन यादव के विजयनी नेतृत्व में एमपी अब केवल भारत का दिल नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उभरता हुआ निवेश केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश के निवेश अभियान को वैश्विक स्तर पर गति देने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का दुबई दौरा एमपी को देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में निश्चित रूप से मदद करेगा।

दबाव बनाने का नहीं, बल्कि अपने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास का भी है। लद्दाख में जल संरक्षण की योजनाएं वहां के किसानों और स्थानीय आबादी के लिए राहत लेकर आ सकती हैं। सिंधु का पानी यदि स्थानीय जरूरतों के लिए संरक्षित किया जाता है तो इससे खेती, पशुपालन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है। सीमा से लगे क्षेत्रों में विकास अपने आप में राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। यह भी समझना जरूरी है कि पानी का इस्तेमाल केवल राजनीतिक हथियार के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधन के रूप में होना चाहिए। भारत को अंतरराष्ट्रीय दायित्वों और पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए अपने जल संसाधनों का अधिकतम वैध और वैज्ञानिक उपयोग करना चाहिए। सिंधु नदी पर चेक डैम जैसी परियोजनाएं इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम बन सकती हैं। पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि आतंकवाद के सहारे भारत को दबाव में लाने का दौर समाप्त हो चुका है। भारत न तो आतंकवादी हमलों को सामान्य घटना मानने के लिए तैयार है और न ही अपनी सुरक्षा तथा संसाधनों के सवाल पर पुरानी मानसिकता में रहने वाला है। यदि पाकिस्तान को अपने लोगों के लिए पानी चाहिए तो सबसे पहले उसे भारत के खिलाफ आतंकवाद की नीति पर पुनर्विचार करना होगा। सिंधु नदी सदियों से बह रही है और आगे भी बहती रहेगी। लेकिन उसके पानी को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जो व्यवस्था बनी थी, वह आपसी विश्वास और शांतिपूर्ण संबंधों की भावना पर टिकी थी। जब विश्वास ही लगातार तोड़ा गया तो उस व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक था। पहलुगाम के बाद भारत ने इसी संदेश को स्पष्ट किया है। अब पाकिस्तान के लिए बेहतर यही होगा कि वह सिंधु जल को लेकर भारत को कोसने के बजाय अपने गिरेबान में झांके। जिस आतंकवाद को उसने वर्षों तक भारत के खिलाफ नीति का हिस्सा बनाए रखा, उसी ने आज उसके सामने अनेक संकट खड़े कर दिए हैं। भारत ने अपने पानी को बचाने और उसका अपने लोगों के हित में उपयोग करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। उपशी का चेक डैम इसी बदलते युग की पहली झलक है।

हालिया टकराव के बाद ईरान और खाड़ी देशों का ब्रिक्स में होगा आमना-सामना, अब मोदी की कूटनीति देखेगी दुनिया



नीरज कुमार दुबे

पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी-पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए।



यहीं पश्चिम एशिया में यही नीति और भी कठिन है। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के क्रम में बस्रीन, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और दूसरे देशों को भी अपनी सैन्य कार्रवाई के दायरे में ला दिया। ईरान का तर्क था कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है, लेकिन मिसाइल और ड्रोन उन देशों की संप्रभु सीमाओं के भीतर पहुंचे जहां ये ठिकाने मौजूद हैं। जुलाई में भी ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कार्रवाई जारी रखी। यहीं मोदी की कूटनीति की असली परीक्षा सामने आती है। युद्ध के बीच उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान से

बातचीत की थी और साफ कहा था कि भारत सभी मुद्दों का समझाना संवाद और कूटनीति से चाहता है। साथ ही उन्होंने उर्जा और व्यापार के निर्बाध आवागमन तथा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को भारत की प्राथमिकता बताया। दूसरी ओर उन्होंने यूएई, बहरीन, सऊदी अरब और कतर के नेताओं से अलग-अलग बातचीत कर उनके खिलाफ हुए हमलों की निंदा भी की थी। बहरीन के मामले में प्रधानमंत्री ने सीधे कहा था कि भारत हमलों की निंदा करता है और वहां के लोगों के साथ खड़ा है; सऊदी अरब और यूएई के संदर्भ में भी उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन को गंभीरता से लिया था।

यही संतुलन मोदी की विदेश नीति की ताकत है। ईरान से संबंध भी चाहिए और खाड़ी अरब देशों का भरोसा भी; रूस से रणनीतिक साझेदारी भी बचानी है और पश्चिम से आर्थिक-तकनीकी रिश्ते भी मजबूत करने हैं। भारत के लिए यह केवल प्रशिक्षण का सवाल नहीं है। पश्चिम एशिया में करोड़ों भारतीयों के हित, ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इससे जुड़ी है। मोदी ने ईरान से बातचीत में भी इसी व्यावहारिक प्राथमिकता को सामने रखा है।

साथ ही इस पूरे समीकरण में चीन को अलग करके देखना भी संभव नहीं है। शी जिनपिंग की भारत यात्रा सात वर्ष बाद हो रही है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में सावधानी के साथ सुधार की कोशिश दिखाई दे रही है। सीमा पर तनाव कम करना, आर्थिक रिश्तों को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाना और प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद बनाए रखना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए जरूरी है। इसलिए दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन मोदी के लिए केवल शिखर सम्मेलन नहीं, बल्कि कूटनीतिक संतुलन का मंच है। एक ही मेज पर पुतिन, शी, पेजेशिकयान, सऊदी और यूएई नेतृत्व के बीच भारत यह दिखा सकता है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ किसी खेमे से दूरी नहीं, बल्कि सभी से अपने हितों के आधार पर संवाद करने की क्षमता है।

देखा जाये तो दुनिया आज अलग-अलग खेमों में बंटी हुई है। ऐसे समय में मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि भारत किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय सभी से संवाद बनाए रखता है। रूस से युद्ध खत्म करने की अपील हो, यूक्रेन से बातचीत, ईरान से संपर्क, खाड़ी देशों के साथ मजबूत रिश्ते, पश्चिम के साथ साझेदारी या चीन से संवाद, भारत हर मोर्चे पर अपने हितों को साधते हुए रिश्ते आगे बढ़ा रहा है। यही संतुलित कूटनीति भारत को इस उथल-पुथल भरी दुनिया में अपनी स्वतंत्र और मजबूत जगह बनाने में मदद कर रही है।

मौसम में उतार-चढ़ाव, बीमार हो रहे लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मौसम में बदलाव के कारण जनस्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। हाल के दिनों में तापमान में अचानक गिरावट और बारिश ने कई लोगों को बीमार कर दिया है। चिकित्सकों का कहना है कि इस मौसम में वायरल संक्रमण सहित मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

राजकीय बेस चिकित्सालय के साथ ही निजी क्लीनिकों में भी इन दिनों वायरल फीवर के मरीज बढ़ी तादाद में पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार बदलते मौसम के कारण सर्दी, खांसी और बुखार जैसी बीमारियों में वृद्धि हो रही है। चिकित्सक बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह भी दे रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें व किसी भी प्रकार की बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। इस मौसम में



कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में उपचार को पहुंचा जन

इन्फ्लूएंजा व अन्य वायरल संक्रमणों के मामलों में भी वृद्धि देखी जा रही है। चिकित्सकों का कहना है कि उचित सावधानी व समय पर उपचार से इन बीमारियों से बचा जा सकता है। लोगों को सलाह दी गई है कि संतुलित आहार लें और हाइड्रेटेड रहें। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि

वे भीड़-भाड़ वाले स्थानों से बचें और व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें। इसके अलावा नियमित रूप से हाथ धोना भी महत्वपूर्ण है। मौसम के बदलाव के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करने के लिए जागरूकता व सावधानी आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

गोपेश्वर: छात्र संघ चुनाव को लेकर बढ़ी सरगर्मी

गोपेश्वर। राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर में छात्र संघ चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। अध्यक्ष समेत विभिन्न पदों के संभावित प्रत्याशी छात्र-छात्राओं के बीच पहुंचकर समर्थन जुटाने में लगे हैं। महाविद्यालय परिसर और आसपास का क्षेत्र बैनर और पोस्टरों से पटने लगा है। छात्र संघ चुनाव 30 सितंबर से पहले कर लिया जाना है। इसे देखते हुए संभावित प्रत्याशियों ने अभी से प्रचार अभियान तेज कर दिया है। प्राचार्य प्रो. एमपी नावाल ने बताया कि महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रदेशभर में एक साथ छात्र संघ चुनाव कराए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से चुनाव की तिथि निर्धारित किए जाने के बाद महाविद्यालय में चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

निजी भवनों पर पोस्टर चस्पा करना पड़ सकता है महंगा

गोपेश्वर। नगर क्षेत्र में निजी भवनों की दीवारों पर पोस्टर और बैनर चस्पा करना संभावित प्रत्याशियों को महंगा पड़ सकता है। महाविद्यालय के समीप कई भवन स्वामियों ने अपनी दीवारों पर पोस्टर न लगाने की स्पष्ट चेतावनी लिखवाई है। चेतावनी के बावजूद पोस्टर चस्पा किए जाने पर कानूनी कार्रवाई की बात कही गई है। कई भवन स्वामियों ने अपनी संपत्तियों की निगरानी के लिए आसपास सीसीटीवी कैमरे भी लगाए हैं।

पवित्रा टम्टा को मिलेगा शिक्षक गौरव अवॉर्ड

कर्णप्रयाग। शिक्षिका डॉ. पवित्रा टम्टा को अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से शिक्षक गौरव अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह सम्मान 20 सितंबर को नई दिल्ली में दिया जाएगा। शिक्षिका डॉ. पवित्रा टम्टा ने बताया कि कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 51 विशिष्ट शिक्षकों एवं प्रतिभाओं को मंच की ओर से सम्मानित किया जाएगा। डॉ. पवित्रा टम्टा (पम्मी नवल) शिक्षा के क्षेत्र के साथ-साथ पौराणिक जागरों के संरक्षण के लिए भी काम करती हैं। वर्तमान में वे राप्रवि टंगसा में प्रधानाध्यापिका के पद पर तैनात हैं।

राज्य आंदोलनकारियों ने डीएम को भेजा झापन

कर्णप्रयाग। पिंडरघाटी के नारायणबाड़, थरली और देवाल में चिह्निकरण से वंचित आंदोलनकारियों ने जल्द चिह्निकरण करने की मांग की। वंचित राज्य आंदोलनकारी संगठन के दिलबर सिंह रावत सहित अन्य ने एसडीएम थरली के माध्यम से डीएम को झापन भेजा। उन्होंने कहा कि वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने सभी दस्तावेज प्रशासन को सौंप दिए गए हैं। ऐसे में इन दस्तावेजों की जांच कर जल्द चिह्निकरण प्रक्रिया शुरू कर दी जाए।

श्रमिकों की बहाली नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नैनबाग (टिहरी)। यमुना नदी पर बन रहे लखवाड़ जल विद्युत परियोजना के निर्माण कार्य से हटाए गए श्रमिकों की बहाली की मांग को लेकर लोहारी में दूसरे दिन धरना जारी रहा। बहाली न होने पर श्रमिकों ने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी। स्वाभिमान मोर्चा के अध्यक्ष बाबी पंवार और जिला पंचायत सदस्य जोत सिंह रावत ने कहा कि परियोजना के निर्माण कार्य में लगी एलएफटी कंपनी प्रबंधक ने बिना वजह के 46 लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया है। कंपनी कई लोगों को हटाने की तैयारी कर रही है। कहा कि परियोजना के निर्माण में स्थानीय लोगों ने अपने खेल-खिलहानों का बलिदान दिया है। कहा कि श्रमिकों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करने के बजाया कंपनी उन्हें बाहर का रास्ता दिखाकर उनकी रोजी-रोटी छिनने का काम कर रही है। कहा कि श्रमिकों का शोषण बंद नहीं किया जाएगा, उनका धरना जारी रहेगा।

नोवा राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :बाल विकास विभाग द्वारा नोवा राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ जन जागरूकता रैली निकालकर किया गया

विभाग द्वारा नया राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया गया, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा तकिया बैनर द्वारा पोषण माह



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वंदे मातरम् राष्ट्रीय के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत गुरुवार को भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल में गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने मधुर स्वर में वंदे मातरम् का गायन कर राष्ट्रभे एवं देश भक्ति की भावना का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय का वातावरण देशभक्ति के भाव से सराबोर रहा। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. एल.आर. राजवंशी ने विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी में राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान गाना के साथ हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. शिप्रा, डॉ. अर्चना नौटियाल, डॉ. सत्य नंदन भागत, डॉ. दुर्गा रजक, डॉ. सुमन कुकुरेती, डॉ. मानसी वत्स, डॉ. अजय रावत, डॉ. उमेश ध्यानी, डॉ. ऊषा सिंह आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

टेबिल टेनिस में तुषार अधिकारी, अनुष्का बिष्ट रही अत्तल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जिला स्तरीय 76वीं जनपदीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में जनपद के 15 विकासखण्ड के लगभग 1400 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कोटद्वार के राजकीय स्टेडियम में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। अंडर-19 बालक वर्ग टेबिल टेनिस में तुषार अधिकारी, राजकीय इण्टर कालेज कोटडीवांग, विकासखण्ड दुगड्डा, प्रियंक सिंह नेगी, निखिल सिंह, अंडर-19 बालिका वर्ग टेबिल टेनिस में अनुष्का बिष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज पौड़ी, नन्दनी, दिव्यांशी इण्टर कॉलेज पोखरीखेत, पावै ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। अंडर-19 कबड्डी बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर थलीसैण, द्वितीय स्थान पर पौड़ी, तृतीय स्थान पर एकेश्वर रहा। अंडर-19 कबड्डी बालक वर्ग में दुगड्डा, यमकेश्वर, कल्जीखाल क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। अंडर-17 बालक वर्ग टेबिल-टेनिस में

प्रथम स्थान पर अनीस कुमार राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कड़ईखाल, पौड़ी गढ़वाल, द्वितीय स्थान पर अनमोल इण्टर कालेज परसुण्डाखाल, पौड़ी गढ़वाल, तृतीय स्थान पर विवेक, राजकीय इण्टर कालेज केवर्स, पौड़ी गढ़वाल रहा। बालिका वर्ग में सिमरन, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कड़ईखाल, पौड़ी गढ़वाल, द्वितीय स्थान पर तुलसी, राजकीय कन्या इण्टर कालेज पौड़ी गढ़वाल, तृतीय स्थान पर वैशाली, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कड़ईखाल, पौड़ी गढ़वाल रहा। अंडर-17 बालक वर्ग कबड्डी में यमकेश्वर, रिखणीखाल, एकेश्वर, बालिका वर्ग में नैनीडांडा, यमकेश्वर, दुगड्डा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 बालक वर्ग टेबिल टेनिस में प्रथम स्थान पर आदित्य रावत, राजकीय इण्टर कालेज केवर्स, पौड़ी गढ़वाल, द्वितीय स्थान पर आरव, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कड़ईखाल, पौड़ी गढ़वाल, तृतीय

स्थान पर करन, राजकीय इण्टर कालेज चाकोसैण, थलीसैण, पौड़ी गढ़वाल रहा। अंडर-14 बालिका वर्ग टेबिल टेनिस में प्रथम स्थान पर घनिष्ठा पटेल रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज पदमपुर, मोटाढ़ाक, कोटद्वार, द्वितीय स्थान पर मुस्कान, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कड़ईखाल, पौड़ी गढ़वाल, तृतीय स्थान पर अनुष्का, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गाडिदूँ, रिखणीखाल, पौड़ी गढ़वाल रही। अंडर-14 कबड्डी बालिका वर्ग में नैनीडांडा, रिखणीखाल, एकेश्वर, बालक वर्ग में द्वारीखाल, दुगड्डा, एकेश्वर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर व्यायाम शिक्षक विनय रावत, धीरन्द्र सिंह रावत, महेश कुकुरती, सिद्धार्थ कोटगाला, सुरेश सिंह, सूरज रमोला, संजय शर्मा, डॉ. सौरभ मिश्र, सुरेश सिंह, दर्शनी रावत, सतपाल सिंह असवाल आदि मौजूद थे।

उतराखंड: 3.50 लाख से ज्यादा

खिलाड़ियों का डाटा चोरी होने की आशंका देहरादून। खेल विभाग ने राष्ट्रीय खेलों के समय खेब टेक स्ट्राटेजी प्राइवेट लिमिटेड को पोर्टल और ऐप विकसित करने का काम दिया गया था। अब इन पोर्टल और ऐप को आईटीडीए के सर्वर पर अपलोड किया जाना था। इससे पहले ही कंपनी ने यूजर आईडी व पासवर्ड आदि बदल दिए। बताया जा रहा है कि इस वक्त कंपनी के पास साढ़े तीन लाख से ज्यादा खिलाड़ियों का डाटा है। ऐसे में इस डाटा के चोरी और उसका बाद दुरुपयोग होने की आशंका भी जलाई जा रही है। बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सीएम चैंपियंस ट्रॉफी का एक सितंबर को उद्घाटन भी कर चुके हैं। इस योजना में 3.50 लाख खिलाड़ियों ने आवेदन किया था। इसके अलावा बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उत्पन्न खेल छात्रवृत्ति योजना का डाटा भी कंपनी के पास है। इस योजना के तहत पिछले साल 3900 खिलाड़ियों को करीब 11.25 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई थी। अब नए सिर से भी इस योजना के लिए खिलाड़ियों का डाटा पोर्टल पर आया था। ऐसे में यह सब डाटा चोरी होने की आशंका जलाई जा रही है। विभाग ने कंपनी को उसके काम के लिए 80 फीसदी तक भुगतान कर दिया था। विभागीय सुरक्षा के अनुसार बाकी का भुगतान हैडऑवर प्रक्रिया के बाद किया जाना था।

लालपुल की जर्जर हालत पर उक्रांद ने जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोटद्वार-दुगड्डा के बीच खोह नदी पर बने लालपुल की जर्जर स्थिति को लेकर उतराखंड क्रांति दल ने चिंता जताई है। उक्रांद पदाधिकारियों ने पुल का निरीक्षण कर शासन-प्रशासन से समय रहते वैकल्पिक पुल का निर्माण कराने की मांग की।

उक्रांद के पदाधिकारी लालपुल पर पहुंचे और पुल की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के समय निर्मित यह पुल लंबे समय से आवाजाही का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन वर्तमान में इसकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। पुल पर कई स्थानों पर दरारें दिखाई दे रही हैं, जबकि लोहे के एंगल भी



पुल के समीप खड़े होकर विशेष जातते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

कई जगह मुड़ चुके हैं। उक्रांद पदाधिकारियों ने बताया कि पुल की बुनियाद जिन पथरों पर टिकी है, वहां पथर और सीमेंट की पकड़ भी कमजोर पड़ गई है।

ऐसे में पुल से गुजरने वाले वाहनों और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर खतरा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पुल की स्थिति को देखते

हुए किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय शासन-प्रशासन को तत्काल वैकल्पिक पुल के निर्माण की दिशा में कदम उठाना चाहिए। इस दौरान महेंद्र रावत, रविंद्र सौंद, कुपाल गुसाई, गोवर्धन काला, अमित सिंह, गुलाब सिंह रावत और हयात गुसाई मौजूद रहे।

नौकरी के बजाय स्वरोजगार का क्षेत्र अपनाएं युवा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पढ़ाई पूरी करने के बाद सिर्फ नौकरी की तलाश करने के बजाय युवा किस तरह अपना कारोबार शुरू कर सकते हैं और दूसरों को रोजगार दे सकते हैं, इसे लेकर कोटद्वार महाविद्यालय में विद्यार्थियों को विशेषज्ञों ने जानकारी दी। जिला उद्योग केंद्र की ओर से गुरुवार को डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थवाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला उद्योग केंद्र की प्रबंधक उपसना सिंह ने विद्यार्थियों को सरकारी सेवा और निजी क्षेत्र के विकल्पों के साथ ही स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी रीच और क्षमता के अनुसार क्षेत्र का चयन करना चाहिए। स्वयं का रोजगार शुरू करने से युवा आत्मनिर्भर बनने के साथ ही दूसरे लोगों को भी रोजगार दे सकते हैं। बैंकिंग विशेषज्ञों ने भी विद्यार्थियों को वित्तीय क्षेत्र से जुड़ी जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक के दर्शन उनियाल ने बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं की जानकारी दी, जबकि भारतीय स्टेट बैंक के सौरभ बोहरा ने उद्यम शुरू करने के लिए बैंकिंग सुविधाओं और वित्तीय सहायता के बारे में बताया। जिला उद्योग केंद्र के सहायक प्रबंधक देवेन्द्र नाथ और आकांक्षा गुसाई ने उद्यम स्थापित करने की प्रक्रिया, आवश्यक पंजीकरण तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। वहीं पर्यटन विभाग के संजय नेगी ने पर्यटन को रोजगार और स्वरोजगार का बेहतर माध्यम बताते हुए स्थानीय स्तर पर पर्यटन आधारित गतिविधियों से आय अर्जित करने की संभावनाएं बताईं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डीएस नेगी ने विद्यार्थियों से कार्यशाला में मिली जानकारी को करियर निर्माण में उपयोग करने का आह्वान किया। डॉ. गणेश चंद ने शिक्षा के साथ कौशल विकास को भी जरूरी बताया। कार्यशाला में महाविद्यालय के शिक्षक-कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

800 और 1500 मीटर दौड़ में अंशु रावत ने मारी बाजी

बुचाखाल में खेल महाकुंभ की न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिताएं सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि। लैसडौन : खेल महाकुंभ के अंतर्गत मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी-2026 की न्याय पंचायत स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुचाखाल में किया गया। 800 मीटर एवं 1500 मीटर दौड़ में अंशु रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सपना द्विवेदी एवं प्रधानाचार्य मधुसूदन हिंदवान ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्र पंचायत सदस्य सपना द्विवेदी, ग्राम प्रधान मनोज जुवाल, कविता सुंदेला, भावना वर्मा एवं प्रधानाचार्य मधुसूदन हिंदवान ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि सपना द्विवेदी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों में ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य मधुसूदन हिंदवान ने



कहा कि खेल महाकुंभ का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तलाशकर उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिता की शुरुआत अंडर-14 बालक वर्ग की 60 मीटर दौड़ से हुई। इसमें रंचित नेगी ने प्रथम, अनुराग रावत ने द्वितीय, अनिकेत रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 बालिका वर्ग की 600 मीटर दौड़ में इशिका द्विवेदी प्रथम, प्रियांशी धनसेला द्वितीय,

अपरिजिता तृतीय रही। अंडर-19 बालक वर्ग की 800 मीटर दौड़ में अंशु रावत प्रथम, अभिषेक रावत द्वितीय, मनोष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक में अनुराग प्रथम रहे। वहीं अंडर-19 बालिका वर्ग में लंबी कूद एवं ऊंची कूद में तनिषा चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर महेंद्र गुसाई, सत्यपाल, भावना वर्मा, मुक्ता रावत, मनोष रावत आदि उपस्थित रहे।

उत्तर रेल्वे			
निविदा सूचना			
निविदा सूचना सं.-Elect/TRD/MB/2026-27/TN-12		दिनांक: 09.09.2026	
विभाग	Electrical (TRD)	Electrical (TRD)	
टेन्डर नं.	T-10-TRD-MB-26-27	T-11-TRD-MB-26-27	
कार्य का नाम	हॉलियर स्टेशन के उन्नयन (Upgradation) के संबंध में टी.आर.डी. कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।	एल.आर.जे.-डी.डी.एन खंड में ज्वालापुर स्टेशन पर मौजूदा एफ.ओ.बी. के लिए रैप का प्राक्खान सहित ओ.एच.डी. संशोधन कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।	
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	01.10.2026, 15:00 Hrs	01.10.2026, 15:00 Hrs	
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 20,27,188.47 (Including GST@ 18%)	₹ 43,02,799.82 (Including GST@ 18%)	
बिड सिक्यूरिटी राशि (₹)	₹ 40,600/-	₹ 86,100/-	
निविदा प्रपत्र मूल्य (₹)-	Nil	Nil	
ऑफर की वैधता (दिन)	60 Days	60 Days	
कार्य पूरा करने की अवधि	04 Months	04 Months	
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.	www.ireps.gov.in Divisional Railway Manager's Office, Northern Railway, Moradabad.	
आह्वान की सेवा में मुस्कान के साथ		3131/26	

उत्तर रेलवे			
निविदा सूचना			
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियान / वार्तुध द्वारा निम्नलिखित ई-टेन्डर संख्या जिनके बन्ध होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये, जायेगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा घरोर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट स्वीड आदि स्वीकरी नहीं होगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।			
टेन्डर संख्या	189-DRM-MB-26-27 Date:- 10.09.2026	190-DRM-MB-26-27 Date:- 10.09.2026	
कार्य का नाम	Elimination of Level Crossing No. 75/5C Spl by providing LHS by pushing method of MB-GZB in the section of ADEN/HPU	Cess Repair work between GMS-MFH in the section of SSE/WHPHU under ADEN/HPU	
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	06.10.2026	06.10.2026	
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00	
अनुमानित लागत	4,21,90,378.30	90,37,837.81	
घरोर राशि	8,43,800.00	1,80,800.00	
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 माह	08 माह	
बिडिंग स्टार्ट तिथि	22.09.2026	22.09.2026	
टेन्डर नं.- Sr.DEN-IV/Publication/26-27			
दिनांक: 10.09.2026			3146/2026
आह्वान की सेवा में मुस्कान के साथ			

पंजाबी समाज की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति, सेवा, साहस और राष्ट्रभक्ति भारत की शक्ति का प्रतीक

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ग्नीन ने गुरुवार को रुद्रपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित पंजाबी गौरव सम्मेलन में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर पूरा परिसर ह्वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेहह के जयकारों से गुंज उठा। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि पंजाबी समाज की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति, संस्कार, साहस, सेवा और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं की महान परंपरा भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठ विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। गुरु साहिबान का जीवन हमें अन्याय के आगे न झुकने, जरूरतमंदों की सेवा करने,



मानवता की रक्षा करने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। सिख परंपरा वास्तव में ह्दयक भारत, श्रेष्ठ भारतह्द की जीवंत मिसाल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबी समाज ने अपनी मेहनत, ईमानदारी और उद्यमशीलता के बल पर देश

के निर्माण में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सोमा पर देश की रक्षा से लेकर खेतों में अन्न उत्पादन, उद्योग एवं व्यापार की गति देने तथा आपदा के समय सेवा कार्यों में पंजाबी और सिख समाज का योगदान अनुरकर्णीय रहा है। उन्होंने कहा

कि तराई क्षेत्र के विकास और यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भी पंजाबी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपने परिश्रम और संकल्प से समाज ने इस क्षेत्र को नई पहचान देने में अहम योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने युवा पीढ़ी का आह्वान करते हुए कहा कि युवाओं को अपने गुरुओं के जीवन से प्रेरणा लेकर मेहनत, अनुशासन, साहस, सेवा और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ युवाओं का अपनी संस्कृति, संस्कारों और गौरवशाली विरासत से जुड़ा रहना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल विकसित उत्तराखंड का निर्माण करना नहीं है, बल्कि ऐसा प्रदेश बनाना है जहां विकास के साथ विरासत का सम्मान हो, आधुनिकता के साथ संस्कार हों और प्रगति के साथ सामाजिक समरसता भी कायम रहे।

सीवर लाइन क्षतिग्रस्त, आठ सरकारी आवासों के लोग परेशान



उत्तरकाशी। जिला चिकित्सालय परिसर में निर्माणधीन 50 बेड के ट्रिफेकल केन्वर यूनिट के समीप स्थित आवासों की सीवर लाइन और नाली क्षतिग्रस्त होने से आठ परिवारों की परेशानी बढ़ गई है। सीवर निकासी बाधित होने के कारण आवासीय परिसर में गंदा पानी जमा हो रहा है। वहीं, लगातार दुर्गंध उठने से कर्मचारियों और उनके परिजनों को

दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के समाधान की मांग को लेकर चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण महासंघ के जिलाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह पंडियार और महासचिव गिरीश उनियाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय सिंह तथा जिला चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉ. बीएस रावत को जापन सौंपा। महासंघ के जिलाध्यक्ष जोगेंद्र सिंह पंडियार ने बताया कि सीसीयू निर्माण कार्य के चलते राजकीय आवासों की सीवर लाइन और नाली क्षतिग्रस्त हो गई है। महासचिव गिरीश उनियाल ने सीवर लाइन और नाली की स्थायी मरम्मत कराने के साथ तब तक तत्काल वैकल्पिक निकासी व्यवस्था उपलब्ध करने की मांग की। इस मौके पर मनोज नौटियाल, रमा चौहान, मीना राणा, आकाश और अंकित चौहान आदि शामिल रहे।

स्वच्छता को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं

नरेंद्रनगर (टिहरी)। स्वच्छता को केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित न रखकर सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की जरूरत है। स्वच्छ वातावरण से स्वस्थ समाज और सतत विकास की राह आसान होती है। यह बातें राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में आयोजित संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने कही। युथ रेड क्रॉस सोसायटी उत्तराखंड की पहल पर स्वच्छता एवं गणगुण नाशन विषय पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ उच्च शिक्षा के उप निदेशक डॉ. आरएस भाकुनी, रेड क्रॉस सोसायटी के उप सचिव डॉ. हरीश चंद शर्मा और दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गीता जैन ने ऑनलाइन किया। खाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि स्वच्छता एवं रोगाणुनाशन को व्यक्तिगत दायित्व से आगे बढ़ाकर सामाजिक और वैश्विक जिम्मेदारी के रूप में अपनाने की जरूरत है।

एक नजर

कन्फेक्शनरी और डेयरी की दुकान में चोरी

त्र्षिकेश। देहरादून रोड स्थित कन्फेक्शनरी की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने हजारों रुपये की नकदी चोरी कर ली। इसके बाद चोरों ने पास ही स्थित एक डेयरी की दुकान को भी निशाना बनाया और वहां रखी रेजगारी लेकर फरार हो गए। एक ही रात में लगातार दो दुकानों में हुई चोरी की वारदात से व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है। मंगलवार रात करीब एक बजे चोरों ने पहले देहरादून रोड स्थित कन्फेक्शनरी की दुकान का ताला खोला और गल्ले में रखी करीब छह से सात हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। इसके बाद चोरों ने नजदीक ही स्थित डेयरी की दुकान में भी चोरी की और गल्ले में रखी हजारों रुपये की रेजगारी पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। सुबह दुकान खोलने पहुंचे दुकानदारो ने ताला खुला देखा तो उनके होश उड़ गए। दुकानों के अंदर जांच करने पर नकदी गायब मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आपसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

दूधली में खेल महाकुंभ का आगाज

डोईवाला। पीएमश्री अटल उक्तुष्ट राजकीय इंटर कॉलेज दूधली में बुधवार को न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ ब्लाक प्रमुख गौरव सिंह ने किया। कहा कि खेल महाकुंभ का मकसद स्थानीय स्तर पर छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे लाना है।विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से खेल महाकुंभ की शुरुआत की गई। ब्लाक प्रमुख गौरव सिंह ने कहा कि खेल केवल हार और जीत तक सीमित नहीं है। खेल व्यक्ति को जीवन में संघर्ष करने, अनुशासन में रहने और चुनौतियों का सामना करने की कला सिखाते है। प्रप्रानाचार्य सुधांशु अस्वाल ने कहा कि खेल खेल महाकुंभ खेल प्रतिभाओं को आगे आने के अवसर मुहैया कराता है। खेल महाकुंभ के पहले दिन कबड्डी, खो-खो, मुंगेझपट आदि कई प्रतियोगिताओं हुई। जिसमें प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दमखम दिखाया। शुभारंभ अवसर पर ग्राम प्रधान अंजू देवी, आरएस शाह, शीशाराम बलोदी, अवधेश सेमवाल, धन सिंह कंडवरी, मोहन गौड़, आफसा, साकेत, आदित्य करयम और अमन नेगी आदि मौजूद थे।

पुरानी पैशन बहाली के लिए सीएम आवास घेराव का एलान

डोईवाला। पुरानी पैशन बहाली की मांग को लेकर राष्ट्रीय पुरानी पैशन बहाली आंदोलन उत्तराखंड के आह्वान पर प्रदेश भर के शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी 13 सितंबर को देहरादून में मुख्यमंत्री आवास घेराव करेंगे। संगठन ने प्रदेश के सभी जनपदों से बड़ी संख्या में शामिल होंगे। सीएम आवास घेराव को सफल बनाने के लिए आंदोलन से जुड़े पदाधिकारियों ने बुधवार को डोईवाला के विभिन्न पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया। पुरानी पैशन बहाली आंदोलन के गढ़वाल मंडल मीडिया प्रभारी चेतन प्रसाद कोठारी ने कहा कि पुरानी पैशन कर्मचारियों के सेवानिवृत्त जीवन की सामाजिक और आर्थिक सुख्खा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। नई पैशन व्यवस्था के कारण कर्मचारियों में भविष्य को लेकर असुख्खा की भावना बनी हुई है।

29 सितंबर को छात्रसंघ चुनाव

त्र्षिकेश। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के परिसर और उससे संबद्ध राजकीय महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की तिथि घोषित कर दी गई है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञापित के अनुसार 29 सितंबर को छात्रसंघ निर्वाचन करया जाएगा। इसके बाद एक अक्तूबर को विश्वविद्यालय छात्र महासंघ का निर्वाचन संपन्न होगा। बृहस्पतिवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल, सोनभद्र को विश्वविद्यालय अल्मोड़ा और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय टिहरी के कुलपतियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

तीन करोड़ से बनेगा नगर निगम का नया भवन,बेसमेंट होगा तैयार



हल्द्वानी, नगर निगम के नई बिल्डिंग बनाने की कवायद शुरू हो गई है। बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पास होने के बाद 3.03 करोड़ की डीपीआर और डिजाइन तैयार कर शहरी विकास को भेजी जा रही है। नगर निगम भवन के पीछे खाली पड़ी करीब पांच हजार वर्ग फीट भूमि पर

तीन मंजिल भवन बनाया जाएगा। इसमें बेसमेंट में पार्किंग, भूतल पर दुकानें और प्रथम व द्वितीय तल पर मीटिंग हॉल प्रस्तावित है। भविष्य में भवन बनकर तैयार होने के बाद इसे पुराने भवन से कनेक्ट कर अधिक जगह का उपयोग किया जाएगा।

पुराने भवन को भी है मरम्मत की जरूरत
नगर निगम भवन के पुराने भवन को भी अभी मरम्मत की जरूरत है। भवन निर्माण के 10 साल बाद भी लिफ्ट नहीं लगाई जा सकी है जबकि इसका प्रस्ताव पास हो चुका है। कक्षों में फनीचर का अभाव है। कर जैसे अनुभागों का कामकाज बेसमेंट में कराया जा रहा है। पूर्व में रखरखाव न होने से कर अनुभाग के रिकार्ड में दीमक लग गई थी।

एक दिवसीय उद्यमिता, स्वरोजगार कौशल विकास जागरूकता कार्यशाला आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार,पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में जिला उद्योग केंद्र, पौड़ी गढ़वाल के तत्वावधान में युवाओं एवं छात्र–छात्राओं को उद्यमिता, स्वरोजगार एवं कौशल विकास तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एक दिवसीय उद्यमिता, स्वरोजगार एवं कौशल विकास जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य एवं आमंत्रित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित सभी प्राध्यापकों द्वारा प्राचार्य ,सभी अतिथियों, प्राध्यापकों , कोऑर्डिनेटर का बैज अलंकरण कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए केवल रोजगार प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार एवं उद्यमिता के माध्यम से रोजगार सृजनकर्ता बनना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने तथा अपने कौशल एवं रुचि के अनुरूप उद्यम स्थापित करने का आह्वान किया।

एसटीएच में इंटर्न और पीजी डॉक्टरों के आंदोलन से मरीजों के टलने लगे ऑपरेशन



हल्द्वानी , स्टार्टपेंड की मांग के लिए इंयंट के साथ अब पीजी डॉक्टर भी आंदोलित हो गए हैं। बृहस्पतिवार को

का एलान किया। आंदोलन के कारण अस्पताल में ऑपरेशन प्रभावित होने लगे हैं। इधर पीजी के आंदोलन से मरीजों के

भाजपा की अंदरूनी

लड़ाई से मेडिकल

कॉलेज लटका : नेगी

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग के लिए धरने स्थल पर बैठे प्रतापनगर विधायक विन्मन सिंह नेगी आरोप लगाया कि भाजपा की अंदरूनी लड़ाई के कारण नई टिहरी में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज खटाई में पड़ गया। टिहरी जिले की पांच विधानसभा सीटों पर भाजपा को लोगों ने प्रचंड बहुमत से जीत दिलाई है लेकिन सरकार टिहरी के लोगों के साथ ही धोखा कर रही है। बौराड़ी के गणेश चौक में मेडिकल कॉलेज के निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय लोग 10 दिनों से क्रमिक अनशन बैठे हैं। धरना को समर्थन देने पहुंचे विधायक नेगी ने पत्रकारों से वार्ता में कहा कि कांग्रेस नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज बनने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि 2027 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो नई टिहरी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाएगी। वहीं मेडिकल कॉलेज की मांग को लेकर टीएमएन भद्र, कांग्रेस प्रदेश महासचिव विजय गुप्तासोला, जिलाध्यक्ष मुरारी लाल खड्वाल, शहर अध्यक्ष कूटदीप पवार, प्राणी भंडारी, मानसिंह सौरील, राकेश राणा का क्रमिक अनशन जारी है।

माउंट माना फतह करने निकले गढ़वाल राइफल्स के 31 पर्वतारोही

जयन्त प्रतिनिधि। लैसडोन :

गढ़वाल राइफल्स के 31 सैनिकों के दल ने उत्तराखंड के चुनौतीपूर्ण माउंट माना (7,274 मीटर) के आरोहण के लिए गुरुवार को पर्वतारोहण अभियान का शुभारंभ किया। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैसडोन के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल ने फ्लैग ऑफ कर दल को अभियान के लिए रवाना किया। लगभग एक माह तक चलने वाले अभियान के पहले चरण में पर्वतारोही दल माना क्षेत्र में आवश्यक प्रशिक्षण एवं तैयारियों से गुजरते हुए बेस कैंप की ओर बढ़ेगा। इसके बाद उच्च शिविर स्थापित कर मुख्य शिखर के आरोहण का प्रयास किया जाएगा। दल का लक्ष्य माउंट माना के शिखर पर गढ़वाल



राइफल्स का रेजिमेंटल ध्वज और राष्ट्रीय तिरंगा फहराना है। अभियान के शुभारंभ अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक जागरूकता का

संदेश देते हुए सेंट्र कमांडेंट द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। उन्होंने पर्वतारोहियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उच्च मनोबल, अनुशासन, साहस और दृढ़ संकल्प की सरहना की। उन्होंने दल से पूर्ण समर्पण के साथ अभियान को सफल बनाने और शिखर पर तिरंगा फहराकर रेजिमेंट का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया। शिखर आरोहण के बाद दल की वापसी होगी और अभियान का समापन लैसडोन स्थित गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में

अभियोजन विभाग ने अभियान के तहत भेंट की पुस्तकें

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकाी विशाल मिश्रा की पहल पर जिले में चलाए जा रहे एक पुस्तक दान करे, ज्ञान का वृक्ष लगाएं अभियान में जनपदीय अभियोजन विभाग की ओर से विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकें भेंट की गईं। सहायक निदेशक अभियोजन ऋचा कोटियाल के साथ सहायक लोक अभियोजक प्रमोद आर्य, नामिका अधिकवता अरविंद पुरोहित और अन्य कर्मिकों ने सामान्य ज्ञान, हिंदी व्याकरण एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित पुस्तकें प्रदान कीं। अभियोजन विभाग के प्रतिनिधियों ने कहा कि पुस्तकों का दान ज्ञान को प्रसार का प्रभावी माध्यम है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों और युवाओं के लिए ये पुस्तकें उपयोगी साबित होंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के माध्यम से जरूरतमंद विद्यार्थियों तक उपयौगी अध्ययन सामग्री पहुंचाने के साथ पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

तीन गांवों के पांच परिवारों के पुनर्वासन को मिली मंजूरी

नई टिहरी। जिले के अलग–अलग क्षेत्रों में आपदा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन के लंबित मामलों के निस्तारण को लेकर डीएम नितिका खंडेलवाल ने अधिकारियों को तेजी से कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में घनसांगा, बालगंगा,

टिहरी और धनोल्दी तहसील क्षेत्र के प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन प्रकरणों की समीक्षा की। तहसील घनसाली के कंडार मल्ल गांव के तीन परिवारों के पुनर्वासन प्रकरण में भू–विज्ञानी की रिपोर्ट समिति के समक्ष रखी गई। डीएम ने रिपोर्ट पर सहमति जताते हुए संबंधित परिवारों को पहली किश्त की धनराशि जारी करने के निर्देश दिए।

गावाणा मल्ल और अक्कण गांव के एक–एक परिवार के प्रकरण में

भी भू–विज्ञानी की रिपोर्ट के आधार पर पहली किश्त जारी करने के निर्देश दिए गए। तहसील बालगंगा के गेंवाली और तहसील टिहरी के पलेथ गांव के प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन प्रकरणों की भी समीक्षा हुई। पलेथ गांव के 22 प्रभावित परिवारों में से 21 का पुनर्वासन पूरा हो चुका है।

शेष एक परिवार के भूमि हस्तांतरण की कार्रवाई चल रही है। डीएम ने तहसीलदार को इसकी रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने को कहा। तहसील धनोल्दी क्षेत्र से विस्थापित किए जाने वाले 20 परिवारों का पुनर्वासन पूरा हो चुका है। बताया गया कि प्रभावित सभी परिवारों को पुनर्वासन के लिए निर्धारित पहली और दूसरी किश्त की धनराशि शत–प्रतिशत जारी की जा चुकी है।

द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को कार्यशाला में

प्राप्त जानकारी का अधिकतम लाभ उठाने तथा स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ.रविन्द्र कुमार अंसि प्रो. वाणिज्य ने महाविद्यालय की ओर से प्राचार्य का, सभी आमंत्रित अतिथियों एवं उपस्थित प्राध्यापकों ,कर्मचारियों सभी छात्र छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। देवभूमि उद्यमिता योजना समिति के सभी सदस्य डॉ. हेमंत जोशी, डॉ.जे.सी. भट्ट, डॉ. मीनाक्षी शर्मा एवं डॉ. रवीन्द्र कुमार, डॉ. रजनी चमोली ने कार्यशाला को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया एवं कार्यशाला के सफल आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग एवं योगदान देने वाले सभी प्राध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

उद्यमिता एवं कौशल विकास जागरूकता कार्यशाला के सफल आयोजन में कौशल विकास के नोडल अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार एवं करिषर काउन्सिलिंग की नोडल अधिकारी डॉ. मनीषा सिंह एवं समिति के सभी सदस्यों सहित पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने भी महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

एनओसी देने वाले

काश्तकारों को जल्द करें

मुआवजा भुगतान : डीएम

नई टिहरी। लखवाड़ बांध परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण में तेजी लाने को डीएम नितिका खंडेलवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

उन्होंने परियोजना क्षेत्र की कुल परिसरपतियों, वितरित मुआवजे और लंबित प्रकरणों की स्पष्ट स्थिति बताने वाली तथ्यात्मक रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा है। कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में परियोजना की समीक्षा बैठक में डीएम ने लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिन काश्तकारों और ग्रामीणों ने अनापति प्रमाणपत्र उपलब्ध करा दिए हैं, उनके प्रकरणों में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

संक्षिप्त

समाचार

आपदा में मकान, सड़कें और पुल बह गए, भारत-चीन कर रहे मदद; बेली ब्रिज भजे गए

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित इलाकों में पुलों और सड़कों को फिर से बनाने की कोशिश में जुटा है, और भारत और चीन से मदद मांगी है। पड़ोसी देशों ने अस्थायी पुल मुहैया कराने के नेपाल के आग्रह पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। आपदा में उत्तरी और मध्य नेपाल में मकान, वाहन, सड़कें और पुल बह गए थे। रसुवा और चितवन के बीच 63 पुल में 41 पुल नष्ट हो गए और चार अन्य आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। काठमांडो पोस्ट की खबर के अनुसार, चीन मुस्तांग में कोरला सीमा चौकी पर दो बेली ब्रिज पहले ही भेज चुका है। भारत ने भी नेपाल को बेली ब्रिज उपलब्ध कराने की पेशकश की है। काठमांडो के एक बौद्ध मठ में बने राहत शिविर में इन दिनों 520 ऐसे बेघर लोगों ने शरण ले रखी है जिन्होंने अपना सब कुछ गंवा दिया है। शिविर में एक कोने में बैठे 12 वर्ष के मासूम त्सेरिंग की आंखें लगातार दरवाजे पर टिकी हैं।उसे भरोसा है कि उसके माता-पिता जल्द लौट आएंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। नेपाल में जल प्रलय के बाद अब उत्तर-पश्चिमी हिस्से में मंगलवार रात 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमान्थांग में था। इससे कोई हताहत नहीं है।

अमेरिका-कनाडा व्यापार युद्ध: ट्रंप के टैरिफ का कनाडा ने दिया जवाब; स्टील समेत क्या सामान महंगे होंगे

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका-कनाडा के बीच ट्रेड वार अब चरम पर पहुंच चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के रिश्ते तबख होने के बीच कनाडा ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लागू कर दिया है। कनाडाई सरकार ने कहा कि जवाबी टैरिफ 22 अगस्त से 20 अरब डॉलर के कनाडाई सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के अमेरिका के फैसले के जवाब में उठाए गए हैं। जवाबी टैरिफ से स्टील, एल्यूमीनियम, डेयरी उत्पाद (जैसे पनीर), घरेलू और कृषि उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पल्प-पेपर जैसे प्रमुख अमेरिकी उद्योग प्रभावित होंगे। पिछले माह वाशिंगटन में दोनों देशों के बीच महीनों चली व्यापार वार्ता अचानक टूट गई। कनाडा ने आरोप लगाया कि अमेरिकी वार्ताकारों ने अंतिम समय में अनुचित शर्तें थोप दी थीं। ट्रंप ने कनाडा की करंसी और अमेरिका के साथ उसके मुद्रा असंतुलन को अस्वीकार्य करार दिया, जिससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और ज्यादा गहरा गया है।

ट्रंप ने पुतिन को मिलाया फोन: यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई बात, यूरोप को लेकर क्या बोले रूसी राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की और कहा कि वह यूक्रेन में जारी युद्ध को जल्द खत्म करना चाहते हैं। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रैमलिन पुतिन ने ट्रंप के इस रुख का समर्थन किया। क्रैमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि युद्ध समाप्त होने से अमेरिका और रूस के संबंध पूरी तरह सामान्य करने की राह खुलेगी। क्रैमलिन के मुताबिक, पुतिन और ट्रंप के बीच करीब एक घंटे बातचीत हुई। यह बातचीत अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकोफ और जेरेड कुशनर की हालिया मास्को और कीव की यात्रा के बाद हुई। दोनों दूत युद्ध खत्म करने के लिए रुकी हुई बातचीत को फिर शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। क्रैमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा, पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की कोशिशों को सकारात्मक माना। पुतिन ने ट्रंप को बताया कि युद्ध खत्म करने में अमेरिका क्या भूमिका निभा सकता है और उन्हें मौजूदा युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी भी दी। उशाकोव के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि उनके मौजूदा कार्यकाल में ही युद्ध खत्म करने की दिशा में बड़ी सफलता मिले। ट्रंप ने कहा कि युद्ध खत्म होने से दोनों देशों के व्यापार और आर्थिक संबंधों को भी बड़ा फायदा होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की यूरोप के खिलाफ कोई आक्रामक मंशा नहीं है। क्रैमलिन के अनुसार, पुतिन ने कहा कि रूस से खतरों की बातें यूरोपीय देशों को यूक्रेन का समर्थन बढ़ाने और सैन्य खर्च बढ़ाने का बहाना देती हैं। रूस अपने सैन्य लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पहले मोनालिसा, अब रेनॉयर: फ्रांसीसी म्यूजियम से बेशकीमती पेंटिंग चोरी, कब-कब चुराई गई करोड़ों की कलाकृतियां



सिलसिले में संगठित अपराध गिरोह का हिस्सा माने जा रहे पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। लुव्र में दिनदहाड़े चोरी, नेपोलियन काल के शाही गहने ले गए चोर : अक्टूबर में दिनदहाड़े हुई एक नाटकीय चोरी में पेरिस के लूव्र म्यूजियम से फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट और उनके परिवार के शाही गहनों के संग्रह से नौ चीजें चुरा ली गईं। चोरों ने उस समय लूव्र को निशाना बनाया, जब म्यूजियम आम दर्शकों के लिए खुला हुआ था। उन्होंने म्यूजियम की बाहरी दीवार तक पहुंचने के लिए बास्केट लिफ्ट का इस्तेमाल किया। इसके बाद महज कुछ मिनटों में उन्होंने डिस्प्ले केस तोड़ दिए और करीब 88 मिलियन यूरो (102 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के गहने लेकर फरार हो गए। चोरी किए गए सामान में नीलम जड़ा एक डायडैम, एक हार और एक कान की बाली शामिल थी। ज्यादातर गहने अब भी गायब : चोरी को अंजाम देने वाले चार लोगों के गिरोह को आखिरकार पकड़ लिया गया, लेकिन चोरी किए गए ज्यादातर गहने बरामद नहीं हो सके। केवल

महारानी यूजीनी का हीरे और पत्ते जड़ा ताज ही म्यूजियम के बाहर क्षतिग्रस्त हालत में मिला। माना गया कि भागते समय चोरों से यह ताज गिर गया था। इस चोरी के बाद दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले म्यूजियमों में शामिल लूव्र ने अपने निदेशक को बदल दिया और सुरक्षा तथा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया। मोना लिसा की चोरी ने बढ़ाई पेंटिंग की शोहरत : लूव्र में चोरी और डकैती की कोशिशों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसकी सबसे मशहूर घटना 1911 में हुई, जब लियोनार्डो दा विंची की 'मोना लिसा' अपने फ्रेम से गायब हो गई थी। इसे म्यूजियम के पूर्व कर्मचारी विस्सेन्जो पेरेगिया ने चुराया था। वह म्यूजियम के अंदर छिपा रहा और बाद में अपने कोर्ट के नीचे पेंटिंग छिपाकर बाहर निकल गया। दो साल बाद फ्लोरेंस में मिली मोना लिसा : चोरी के करीब दो साल बाद 'मोना लिसा' को इटली के फ्लोरेंस में बरामद किया गया। इस घटना ने लियोनार्डो दा विंची को इस पेंटिंग को दुनिया की सबसे चर्चित और मशहूर कलाकृतियों में शामिल

करने में बड़ी भूमिका निभाई। बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम की चोरी आज भी रहस्य : इसे अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी कला चोरियों में से एक माना जाता है। हालांकि, 35 साल बीत जाने के बाद भी बोस्टन के इसाबेला स्टीवर्ट गार्डनर म्यूजियम से चोरी हुई 13 कलाकृतियों का मामला अब तक अनसुलझा है। पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूजियम में घुसे थे चोर : 18 मार्च 1990 की सुबह दो लोग बोस्टन पुलिस अधिकारियों के भेष में म्यूजियम में दाखिल हुए। उन्होंने कहा कि वे एक कॉल का जवाब देने आए हैं। म्यूजियम के अंदर पहुंचने के बाद उन्होंने दो सुरक्षा गार्डों को काबू में कर लिया और उन्हें डकट टेप से बांध दिया। इसके बाद करीब 81 मिनट तक उन्होंने म्यूजियम से 13 कलाकृतियां चुरा लीं। चोरी हुई कलाकृतियों में रेम्ब्रांट, वर्मीर, डेगास और मैनेट जैसे महान कलाकारों की बेशकीमती कृतियां शामिल थीं। अधिकारियों का कहना है कि चोरी हुई इन कलाकृतियों की कीमत करीब आधा बिलियन डॉलर तक हो सकती है। हालांकि, म्यूजियम अधिकारियों के मुताबिक इनका असली मूल्य सिर्फ पैसों में नहीं आंका जा सकता, क्योंकि इनकी जगह दूसरी कलाकृतियां नहीं रखी जा सकती। कुछ कलाकृतियों को उनके फ्रेम से काटकर निकाला गया था। इनमें रेम्ब्रांट की मशहूर पेंटिंग 'स्टॉर्म ऑन द सी ऑफ गैलिली' भी शामिल थी।

बैजामिन नेतन्याहू का 24 घंटे का यूएन दौरा: ममदानी ने की थी गिरफ्तारी की मांग, फिर क्यों जा रहे न्यूयॉर्क



संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। इसाइल के संयुक्त राष्ट्र राजदूत डेनी डैनन ने मंगलवार को बताया कि नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। 24 सितंबर की दोपहर वह संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इसाइल लौट जाएंगे। डैनन ने कहा कि मौजूदा हालात में प्रधानमंत्री का वहां आना जरूरी है और उनके पास इससे अलगाव कोई विकल्प नहीं है। ममदानी ने नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग क्यों की :न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर ममदानी ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। बाद में उन्हें यह मांग वापस लेनी पड़ी, क्योंकि न्यूयॉर्क शहर के पांडे नेतन्याहू को गिरफ्तार करने का

2024 में नेतन्याहू और एक अन्य इसाइली अधिकारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत ने कहा था कि नेतन्याहू पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों को लेकर कार्रवाई का आधार है। वारंट में कहा गया कि गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान मानवीय सहायता रोककर 'भूख को युद्ध के हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया गया। क्या न्यूयॉर्क पहुंचते ही नेतन्याहू गिरफ्तार हो सकते हैं : न्यूयॉर्क शहर के पास आईसीसी के गिरफ्तारी वारंट को लागू करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हालांकि ममदानी ने अमेरिकी संघीय सरकार से नेतन्याहू के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील की है। अमेरिका और इसाइल दोनों आईसीसी के सदस्य नहीं हैं। वहीं ट्रंप प्रशासन ने आईसीसी के कर्मचारियों पर कई प्रतिबंध लगाए

हैं और इस न्यायालय को खत्म करने की कोशिश की है। इस दौर से जुड़ी सात अहम बातें क्या हैं : दौरा करीब 24 घंटे का होगा: नेतन्याहू 23 सितंबर की देर रात न्यूयॉर्क पहुंचेंगे और 24 सितंबर की दोपहर संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद उसी रात इसाइल वापस लौट जाएंगे। ममदानी ने गिरफ्तारी की मांग की थी: न्यूयॉर्क के मेयर ने नेतन्याहू को 'युद्ध अपराधी' बताया था और उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि शहर के पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार नहीं है। आईसीसी ने नवंबर 2024 में वारंट जारी किया: अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसमें गाजा युद्ध के दौरान मानवीय सहायता रोकने और नागरिकों को निशाना बनाने के आरोप शामिल हैं।

यूक्रेन को 2024 में हुआ 1.2 अरब डॉलर का नुकसान, रक्षा सौदों में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार; कैसे हुआ खेल

कीव/अल्बानी, एजेंसी। रूसी सैनिकों ने 2024 में पूर्वी यूक्रेन में खाइयों पर हमला बोला तो यूक्रेनी तोपखाने के जवानों ने गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन गोले आगे बढ़ने वाली सेना के पास फटने के बजाय, लॉन्च ट्यूब से बाहर गिर गए या हल्की-सी आवाज के साथ जमीन पर जा गिरे, जिससे धूल का गुबार उड़ने लगा। यह यूक्रेन की रक्षा कंपनियों की गढ़ावी का नतीजा था। दरअसल, रक्षा कंपनियां भ्रष्टाचार में शामिल थी और उन्होंने सेना को हजारों खराब मोर्टार गोलों की आपूर्ति की थी। ग्रेपनीय सैन्य ऑडिट रिपोर्ट सामने आने पर पता चला है कि अकेले 2024 में यूक्रेन को धोखाधड़ी और बर्बादी के कारण 1.2

गिरफ्तारी के बावजूद इन कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने या इनसे दूरी बनाने के बजाय सरकारी एजेंसियां आंख मूंदकर इन्हें उपेक्षित करती रहीं। भ्रष्टाचार के मामले में जमानत, फिर भी सौदा : सरकारी स्वामित्व वाले एक यूक्रेनी कारखाने ने सेना को 233,000 दोषपूर्ण मोर्टार सौंपे। कारखाने के निदेशक लियोनिद शाइमैन को युद्ध के दौरान रक्षा उद्योग में सबसे बड़े घोटालों में से एक में गिरफ्तार किया गया था। चौकाने वाली बात यह है कि जब शाइमैन को लगभग 28 करोड़ डॉलर का पहला मोर्टार अनुबंध दिया गया था, तब वह पहले से ही भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर थे।

बिचौलियों का खेल, कम बोली की अनदेखी : जब रक्षा खरीद एजेंसी ने सैकड़ों मिलियन डॉलर के रॉकेट ऑर्टिलरी खरीदने के लिए बोलाया 'मंगाई', तो तीन कंपनियों ने जवाब दिया। तुर्की की मूल निर्माता कंपनी आनक डिफेंस ने सीधे कारखाने से सबसे कम बोली (4,200 डॉलर प्रति रॉकेट) लगाई। अनुबंध सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी चेकोस्लोवाक गुप की सहायक कंपनी को दे दिया गया। रक्षा अनुबंधों ने चेक समूह के 33 वर्षीय मालिक मिचेल स्ट्रानाड को फोर्ब्स की सूची में सबसे अमीर हथियार निर्माता के रूप में स्थापित कर दिया।

यूके छोड़ने पर कानूनी रोक': विजय माल्या बोले- मैं भगोड़ा नहीं; भारत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, क्या है मामला

लंदन, एजेंसी। शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर खुद को 'भगोड़ा' कहे जाने पर सवाल उठाया है। माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मैं भारत लौटने से भाग नहीं रहा हूं। मुझे भगोड़ा कहने वालों के समझना चाहिए कि मैं 1992 से यूके यानी ब्रिटेन का स्थायी निवासी हूं। फिलहाल कानूनी तौर पर देश छोड़ने पर रोक है। भारत सरकार ने मेरे साथ घोर अन्याय किया। भारत में माल्या को भगोड़ा क्यों कहा जाता है : भारत सरकार के रिकॉर्ड में विजय माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। अक्टूबर 2025 में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया था कि भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है। इस सूची में विजय माल्या और नीरव मोदी सबसे कई चर्चित नाम शामिल हैं। यही वजह है कि भारत में माल्या को भगोड़ा आर्थिक अपराधी के तौर पर देखा जाता है। हालांकि, माल्या अब इसी

पहचान पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि ब्रिटेन में उनका रहना किसी तरह भारत से भागने की कोशिश नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ चल रही कानूनी स्थिति का नतीजा है। भारत सरकार माल्या की वापसी पर क्या कह चुकी है : भारत सरकार का रुख इस मामले में पहले से साफ रहा है। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत में कानून के तहत वांछित लोगों को देश वापस लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने माना था कि ऐसे मामलों में कई कानूनी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि सरकार इस मामले में कई देशों के साथ बातचीत कर रही है और प्रक्रिया जारी है। उनका कहना था कि सरकार की कोशिश है कि आर्थिक अपराध के मामलों में वांछित लोग भारत लौटें और यहां की अदालतों में मुकदमे का सामना करें। माल्या ने 14,131 करोड़ रुपये की वसूली का दावा क्यों किया विजय माल्या ने मंगलवार को एक और पोस्ट किया



था। इसमें उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दाखिल एक कथित हलफनामे का हवाला दिया। माल्या का दावा है कि इस हलफनामे के एक हिस्से में 2021 में उनसे 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का जिक्र है। माल्या ने सवाल उठाया कि अगर उनसे इतनी बड़ी रकम वसूली का अंतिम मौका भी दिया था कि क्या वह धोखाधड़ी के आरोपी के तौर पर क्यों पेश किया जाता है। उन्होंने एक स्टेटमेंट ऑफ

अकाउंट की तालिका भी साझा की। इसके जरिए उन्होंने कहा कि अब सवाल यह होना चाहिए कि उन्हें उनकी रकम वापस कब मिलेगी। विजय माल्या ने यह भी दावा किया कि ईडी ने उनके अटैच फंड से 350 करोड़ रुपये के ज्यादा रकम किंगफिशर कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए जारी की थी। उनका कहना है कि उनकी संपत्तियां और फंड अटैच होने के कारण वह खुद कर्मचारियों का भुगतान नहीं कर सके। माल्या के मामले में अदालत का रुख क्या : विजय माल्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट भी सख्त रुख अपना चुका है। फरवरी 2025 में अदालत ने उन्हें फटकार लगाते हुए कहा था कि वह जानबूझकर अदालतों कायंबाही से बच रहे हैं। अदालत ने कहा था कि ऐसी स्थिति में वह समानता के आधार पर राहत की मांग नहीं कर सकते। उच्च अदालत ने माल्या को यह स्पष्ट करने का अंतिम मौका भी दिया था कि क्या वह भारत लौटने का इरादा रखते हैं। माल्या की याचिका भगोड़ा आर्थिक अपराधी

अधिनियम की सांविधानिक वैधता और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई को चुनौती देती है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि वह यह दर्ज करने के पक्ष में हैं कि माल्या अदालत के अधिकार क्षेत्र से बच रहे हैं। ऐसे में वह अपनी याचिका में राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। माल्या का दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने पर रोक है। अक्टूबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, जिनमें माल्या और नीरव मोदी शामिल हैं। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत वांछित आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के लिए अलग-अलग देशों के साथ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। माल्या ने ईडी के कथित हलफनामे का हवाला देते हुए 2021 तक 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का दावा किया है।

उधिनियम की सांविधानिक वैधता और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई को चुनौती देती है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि वह यह दर्ज करने के पक्ष में हैं कि माल्या अदालत के अधिकार क्षेत्र से बच रहे हैं। ऐसे में वह अपनी याचिका में राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। माल्या का दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने पर रोक है। अक्टूबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, जिनमें माल्या और नीरव मोदी शामिल हैं। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत वांछित आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के लिए अलग-अलग देशों के साथ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। माल्या ने ईडी के कथित हलफनामे का हवाला देते हुए 2021 तक 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का दावा किया है।

अधिनियम की सांविधानिक वैधता और उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई को चुनौती देती है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि वह यह दर्ज करने के पक्ष में हैं कि माल्या अदालत के अधिकार क्षेत्र से बच रहे हैं। ऐसे में वह अपनी याचिका में राहत की उम्मीद नहीं कर सकते। माल्या का दावा है कि वह 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और फिलहाल कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने पर रोक है। अक्टूबर 2025 में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि 15 लोगों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया है, जिनमें माल्या और नीरव मोदी शामिल हैं। दिसंबर 2025 में विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत वांछित आर्थिक अपराधियों को वापस लाने के लिए अलग-अलग देशों के साथ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। माल्या ने ईडी के कथित हलफनामे का हवाला देते हुए 2021 तक 14,131.60 करोड़ रुपये की वसूली का दावा किया है।

अमेरिका ने ईरान के पांच तेल टैंकर उड़ाए: जवाब में तेहरान ने जॉर्डन पर दामगी मिसाइलें, क्या फिर बढ़ेगा तनाव



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। मंगलवार को तनाव फिर बढ़ गया। अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिबोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। कविक, चार्मिनार, होराइजन-1 और रस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे। पांचवां जहाज स्टैंडर्ड स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में खर्ग द्वीप के पास था। अमेरिका ने इन्हीं जहाजों को निशाना बनाया है। ईरान ने अमेरिका को कैसे दिया जवाब : अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, उसने जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन अमेरिकी संयुगोही है और वहां अमेरिकी सैनिक भी तैनात हैं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। वहीं, ईरानी रिबोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन के पास मौजूद तेल टैंकरों को तुरंत हटने को कहा है। इतना ही

नहीं, ईरान ने दोनों देशों पर अमेरिकी सेना को ठिकाने देने और हमलों में मदद करने का आरोप लगाया। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि उसने अल-अजराक एयर बेस में अमेरिकी सेना के एफ-35, एफ-16 और एफ-15 लड़ाकू विमानों की मरम्मत, रखरखाव, तैयारी और तैनाती के लिए इस्तेमाल होने वाले एक हैजर को निशाना बनाया। इसके अलावा, अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए बने एक शेल्टर पर भी हमला किया गया। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस हमले में 'दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया गया।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन की सेना ने बुधवार को कहा कि उसके वायु रक्षा सिस्टम ने ईरान की ओर से दागी गई 20 में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को नाट कर दिया। सेना के अनुसार, बाकी दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का सबसे बड़ा आर्थिक मोर्चा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बन गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता था। अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रखी है।



नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यही मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। टीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है।
- सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और कार्बोहाइड्रेट्स का सही हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पोषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साथथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाएं पार कर नेशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।



शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशेंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होंठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है।
- ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जुड़ा रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जुड़ा रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।



सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गंभीर बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गंभीर को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गंभीर भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉक्सिन्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मून्कका, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गंभीर समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।



हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनिट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है।' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप भिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनिट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुफ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्रा 10 मिनिट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस को धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर भिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुफ उठाएं।



गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।



डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।



कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एप्पल, कैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डाइट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती है। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का

कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।



वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

सैनिक कभी पूर्व नहीं होता, वह जीवनभर सैनिक रहता है : धामी

हल्द्वानी में गौरव सेनानी मिलन एवं पूर्व सैनिक सम्मान समारोह आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को हल्द्वानी में आयोजित 'गौरव सेनानी मिलन एवं पूर्व सैनिक सम्मान समारोह' में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में कुमाऊं मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं सैनिक परिवारों ने प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं को नमन करते हुए कहा कि हमारे सैनिकों ने अपने जीवन का स्वर्णिम समय राष्ट्र की रक्षा और सेवा के लिए समर्पित किया है। उन्होंने अपने आज की चिंता किए बिना देश के सुरक्षित भविष्य के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। सैनिक कभी पूर्व या भूतपूर्व नहीं होता, वह जीवनभर सैनिक रहता है। हमारे पूर्व सैनिक 'भूतपूर्व' नहीं बल्कि 'अभूतपूर्व' हैं। वे अपने अनुशासन, समर्पण, राष्ट्रभक्ति और अनुभव से समाज एवं राष्ट्र को निरंतर नई दिशा देने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि के साथ वीरभूमि भी है। विक्टोरिया क्रॉस विजेता दरबान सिंह नेगी



और गवर सिंह नेगी से लेकर जनरल बी.सी. जोशी और जनरल बिपिन रावत तक उत्तराखण्ड की इस पावन भूमि ने देश को अनेक वीर सपूत दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की रक्षा

उत्तराखण्ड की धरती वीरों की भूमि : नितिन नवीन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि उत्तराखण्ड की धरती वीरों की भूमि है और यहां के सैनिकों ने देश की रक्षा में अतुलनीय योगदान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना आधुनिक और सशक्त हुई है तथा भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। आज भारत रक्षा उपकरणों का निर्यात करने वाले देशों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। नितिन नवीन ने कहा कि देहरादून में बन रहा सैन्य धाम उत्तराखण्ड के वीर सैनिकों और शहीदों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता का प्रतीक बनेगा। उन्होंने सैनिक कल्याण की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लिए गए निर्णयों की सराहना करते हुए कहा कि इन प्रयासों से भावी पीढ़ियों को भी देश के वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान से प्रेरणा मिलेगी।

व्यवस्था और सैन्य सामर्थ्य में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। देश में स्वदेशी रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ने के साथ ही भारत आज रक्षा उत्पादों का निर्यात भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि नया भारत अपनी सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी दृढ़ता और सामर्थ्य के साथ निर्णय लेने में सक्षम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। देहरादून के गुनियाल गांव में भव्य सैन्य धाम का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। यह सैन्य धाम उत्तराखण्ड के वीर सैनिकों के शौर्य, त्याग और बलिदान का प्रतीक बनने के साथ ही भावी पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के हितों से जुड़े विषयों के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद अजय भट्ट, कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप विष्ट, कार्यक्रम संयोजक एवं दायित्वधारी सुरेश भट्ट, ध्रुव रातेला, पूर्व मेयर जोगेंद्र रातेला सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीरांगनाएं, सैनिक परिवार, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य उपस्थित थे।

सरकार शहीदों के परिजनों के सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध



जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को हल्द्वानी स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर अमर शहीदों को नमन किया और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि

देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों का बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शहीद स्मारक भावी पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति और देश सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिजनों के सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद अजय भट्ट आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार 12.31 लाख रुपये का गबन का आरोपी गिरफ्तार

ऋषिकेश। उत्तराखंड को-ऑपरेटिव बैंक में दैनिक जमा अभिकर्ता के रूप में काम करने वाले एक युवक पर खाताधारकों से लाखों रुपये लेकर बैंक में जमा न कराने और करीब 12.31 लाख रुपये के गबन का आरोप है। मामले में दून पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ जांच के दौरान कुल 12,31,458 रुपये की धनराशि के गबन का मामला सामने आया। पुलिस के मुताबिक, 24 मई 2026 को उत्तराखंड को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, लक्ष्मणझूला रोड, ऋषिकेश के सचिव/महाप्रबंधक एमएस राणा ने कोतवाली ऋषिकेश में तहरीर दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया कि बैंक में दैनिक जमा अभिकर्ता के तौर पर कार्यरत दीपक बड़ई ने अलग-अलग तरीखों में खाताधारकों से बैंक में जमा कराने के लिए धनराशि प्राप्त की, लेकिन संबंधित रकम बैंक में जमा नहीं कराई। मामले की जांच में बैंक की ओर से प्राप्त धनराशि का कुल आंकड़ा 12 लाख 31 हजार 458 रुपये सामने आया। तहरीर के आधार पर कोतवाली ऋषिकेश में मु0अ0सं0 212/2026, धारा 316(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने पुलिस टीम को त्वरित साक्ष्य संकलन करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद आरोपी दीपक बड़ई पुत्र उमेश बड़ई (29 वर्ष) को 9 सितंबर 2026 को उदय बाग, विकासनगर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

छात्र संख्या शून्य होने से टिहरी के 25 विद्यालयों में ताले लगे

नई टिहरी। सरकारी स्कूलों के प्रति अभिभावकों के घटते रुझान के कारण जिले में इस शिक्षा सत्र में 25 सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या शून्य होने से ताला लग गया है। बच्चों की चहल-कदमी से गुलजार रहने वाले विद्यालयों में अब सत्राट पसरा है। सरकारी स्कूलों को बचाने के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं संचालित की जा रही है लेकिन ये योजनाएं भी स्कूलों को बचाए नहीं रखने में काम नहीं आ पा रही है। अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों से हटाकर निजी स्कूलों में दाखिला करवा रहे हैं। प्रत्येक वर्ष छात्रों की संख्या शून्य होने के कारण सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं। सरकार के लिए सरकारी विद्यालयों को बचाना चुनौती पूर्ण बनता जा रहा है। नए शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद टिहरी जिला शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों में छात्र संख्या शून्य होने के कारण उन्हें बंद करना पड़ा जिसमें 20 प्राथमिक विद्यालय (पीएस), 4 जूनियर हाईस्कूल (जेएच), 1 उच्च प्राथमिक स्कूल (यूपीएस) व जीआईसी नरेंद्रनगर में केंद्रीय विद्यालय खुलने से उसे दूसरे विद्यालय में समायोजित कर दिया गया है।

हीरानगर के ट्यूबवेल की मोटर फुंकी

हल्द्वानी। हीरानगर के ट्यूबवेल की मोटर फुंकने से पेयजल संकट गहरा गया है। एक हजार की आबादी को दो से तीन दिन पेशानी का सामना करना पड़ेगा। बीते मंगलवार को हीरानगर के ट्यूबवेल की केबल में स्पाकिंग होने से जलापूर्ति ठप हो गई थी। जल संस्थान ने ट्यूबवेल की जांच-पड़ताल की तो मोटर के खराब होने का पता चला। पाइप निकाल दिए गए हैं, नई मोटर लगाने के बाद जलापूर्ति सुचारु की जा संकेगी इससे हीरानगर उत्थान मंच, योगा पार्क के आसपास की कालोनियां प्रभावित हैं। बुधवार को प्रभावित क्षेत्र में दो टैंकरो से पानी बांट गया। सहायक अभियंता रवींद्र कुमार ने बताया कि फरवरी आखिर में यह मोटर लगी थी, नई मोटर लगाकर शनिवार से आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। हीरानगर के अधिकांश क्षेत्रों में गौला वाले पानी की भी नियमित सप्लाई होती है।

बारिश के बाद रेत ने बढ़ाई परेशानी

हल्द्वानी। बारिश भले ही थम गई हो लेकिन गौला नदी से पानी बंद होने का सिलसिला जारी है। गौला बैराज में सिल्ट के साथ बड़ी मात्रा में पहुंचे रेत ने एक बार फिर शहरवासियों की जलापूर्ति रोक दी। जल संस्थान के शीशमहल फिल्टर प्लांट का पानी दो घंटे बंद रहा। सिंचाई विभाग ने रेत की सफाई के लिए सुबह 10:30 बजे से 12:30 बजे तक बैराज में काम कराया। गौरतलब है कि एक सितंबर से शुरू हुआ बारिश का ऋम शहर की पेयजल वितरण व्यवस्था पर भारी पड़ रहा है। पहाड़ों में लगातार बारिश के कारण गौला नदी के खतरे के निशान से आगे तक पहुंच जाने के कारण बैराज के गेट 24 घंटे से अधिक समय तक खोलने पड़े थे।

हरकी पैड़ी मार्ग पर अचानक धंसी सड़क

हरिद्वार। तीर्थनगरी हरिद्वार में हरकी पैड़ी मुख्य मार्ग पर गुरुवार को अचानक सड़क धंसने से हड़कंप मच गया। सड़क के बीचों-बीच करीब चार फीट गहरा गड्ढा बन गया। सड़क धंसने के दौरान एक स्कूल बस भी इसकी चपेट में आ गई। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद हरकी पैड़ी जैसे अति महत्वपूर्ण और यात्री बाहुल्य मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ दिन पहले ही हुई थी मरम्मत स्थानीय लोगों और व्यापारियों के मुताबिक, जिस स्थान पर सड़क धंसी है, वहां कुछ दिन पहले ही सड़क की मरम्मत कर गड्ढा भरा गया था। इसके बावजूद दोबारा सड़क धंसने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता और मरम्मत में बरती गई सावधानियों पर सवाल उठने लगे हैं। हरकी पैड़ी मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक और स्थानीय लोग आवाजाही करते हैं। ऐसे व्यस्त मार्ग पर अचानक सड़क

वेतन न मिलने पर आरएम दफ्तर पर दिया धरना

हल्द्वानी। रोडवेज कर्मचारियों ने लंबित वेतन भुगतान करने, परिहान निगम का बस बेड़ा बढ़ाने जैसी मांगों के लिए आरएम कार्यालय परिसर में धरना दिया। 16 सितंबर को देहरादून में निगम मुख्यालय चेराव का कार्यक्रम तय किया गया है। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के आह्वान पर तय कार्यक्रम के अनुसार, बुधवार को रोडवेज कर्मचारी काठगोदाम स्थित वर्कशॉप परिसर में एकत्र हुए। उन्होंने प्रदर्शन कर धरना दिया। इस दौरान हुई सभा में रोडवेज कर्मचारियों ने कहा कि कर्मचारियों को समय से वेतन नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में कर्मचारियों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा होने लगा है। उन्होंने रोडवेज की आर्थिक स्थिति सुधारने की मांग उठाते हुए कहा कि निगम में बस बेड़ा बढ़ाया जाना चाहिए। रोडवेज कर्मचारियों ने एक स्वर में भ्रष्टाचार और अनियमितता में लिप्त अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग पुरजोर तरीके से उठाई। परिषद हल्द्वानी शाखा के अध्यक्ष कौशल जोशी ने बताया कि प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेश के तीनों रिजन में धरना दिया गया। धरना देने वालों में क्षेत्रीय अध्यक्ष जगदीश कांडपाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आन सिंह जीना, क्याम सिंह शाही, भूपेंद्र अधिकारी, उमेश चंद्र जोशी आदि शामिल रहे।

कुंभ मेला—2027 की तैयारियों को परखने मैदान में उतरे मुख्य सचिव



हरिद्वार,कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर उत्तरखंड शासन ने निगनीय तेज कर दी है। गुस्वार को मुख्य सचिव उत्तरखंड शासन आनंद वर्द्धन ने हरिद्वार पहुंचकर विभिन्न

कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, तकनीकी पहलुओं, गुणवत्ता और समयबद्धता से सम्बंधित नवीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं की गति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, उनकी नियमित समीक्षा की जाए और कार्य में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने विभागों और

कार्यदायी संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि कुंभ मेले-2027 से संबंधित किसी भी निर्माण कार्य में गति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, उनकी नियमित समीक्षा की जाए और कार्य में आ रही बाधाओं को तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने विभागों और

बैरागीवाला। बैरागीवाला क्षेत्र में एक परिवार ने सरकारी रास्ता बंद किए जाने और उनके घर तक पहुंचने वाली बिजली की तारों से छेड़छाड़



किए जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि रास्ते पर लकड़ुयों लगाकर बार-बार आवागमन बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित पक्ष के अनुसार, उनके घर तक आने-जाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्ते को कथित तौर पर लकड़ुयों रखकर बंद करने की कोशिश की जा रही है। परिवार का आरोप है कि रास्ते में लगे बिजली के खंभों से उनके घर तक जाने वाली बिजली की तारों को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इससे बिजली आपूर्ति

प्रभावित होने के साथ-साथ सुरक्षा को लेकर भी परिवार में चिंता बनी हुई है। कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं परिवार का कहना है कि मामले को लेकर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायत और प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि रास्ता बंद करने की कोशिश दोहराए जाने से उन्हें रोजमर्रा के आवागमन में दिक्कत हो रही है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए और यदि रास्ता सरकारी अथवा सार्वजनिक उपयोग का है तो उसे तत्काल खुलवाया जाए। साथ ही बिजली की तारों से कथित छेड़छाड़ के मामले को भी जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

बाल अधिकारों की सुरक्षा पर 15 सितंबर को कार्यशाला

ऋषिकेश/देहरादून। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर 15 सितंबर को नगर निगम सभागार में एक दिवसीय बाल अधिकार संरक्षण संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की जाएगी। आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में होने वाली कार्यशाला में बाल अधिकारों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के बीच चर्चा होगी। आयोग के सचिव डॉ. शिव कुमार बरनवाल ने जिलाधिकारी को भेजे पत्र में बताया कि कार्यशाला में शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, श्रम, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, महिला एवं बाल विकास, महिला कल्याण विभाग, बाल देखरेख संस्थानों, जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू), वार्ड बाल संरक्षण समितियों के पदाधिकारी और बच्चों के हित में काम करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला में करीब 250 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यशाला में उत्तरखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के अलावा बच्चों को नशे से बचाने, सड़क सुरक्षा, साइबर सुरक्षा तथा बच्चों को शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण से सुरक्षित रखने जैसे विषयों पर जागरूकता और संवेदीकरण किया जाएगा। आयोग ने जिलाधिकारी से अपर जिलाधिकारी अथवा संबंधित उप जिलाधिकारी को कार्यशाला में प्रतिभाग करने के लिए नामित करने का अनुरोध किया है। साथ ही संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को भी कार्यशाला में प्रतिभाग करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

14 सितंबर से देहरादून में विशेष नशामुक्ति शपथ अभियान

देहरादून, नशामुक्त भारत अभियानहू के तहत जनपद देहरादून में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ 14 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक विशेष शपथ अभियान चलाया जाएगा। अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान 14 सितंबर को सुबह 11 बजे ऋषिपर्णा सभागार में करेंगे। अभियान के दौरान जिले के स्कूल-कॉलेज, विश्वविद्यालय, कोचिंग संस्थान, छात्रावास, सरकारी एवं अर्द्धसरकारी कार्यालय, औद्योगिक इकाइयां, ग्राम पंचायतें, नगर निकाय, होटल और होम स्टे सहित विभिन्न संस्थानों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन नशामुक्ति की शपथ दिलाई जाएगी। शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों एवं कर्मिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए सामूहिक शपथ दिलाई जाएगी। वहीं ग्राम पंचायतों और नगर निकायों के माध्यम से आम नागरिकों तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। औद्योगिक इकाइयों और कॉर्पोरेट कार्यालयों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों को भी शपथ दिलाने की



व्यवस्था की गई है। पर्यटन विभाग के माध्यम से होटल, होम स्टे एवं छात्रावासों तथा जिला ऋिड़ा विभाग के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों में भी अभियान चलाया जाएगा। प्रशासन से संबंधित विभागों एवं संस्थानों को शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ऑनलाइन शपथ लेने के बाद प्रमाण-पत्र

डाउनलोड करना अनिवार्य होगा। साथ ही शपथ कार्यक्रमों के फोटोग्राफ और निर्धारित प्रारूप में सूचना भी संबंधित विभागों को उपलब्ध कराई जाएगी जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए अभियान में सक्रिय भागीदारी करें और दूसरों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा। CONT. 9412081969 PRGI NO. 35469/79



नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में भारत का वर्चस्व लगातार कायम है। 50 ओवर के फॉर्मेट में पिछले 35 महीनों से दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम भी भारत से नंबर एक का ताज नहीं छिन सकी है। सिर्फ वनडे ही नहीं, बल्कि क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार बना हुआ है। वनडे क्रिकेट में भारतीय टीम की बादशाहत सितंबर 2023 से कायम है। भारत ने पाकिस्तान से नंबर एक की कुर्सी छीनी थी और उसके बाद से किसी भी टीम को इस पोजीशन के आसपास तक नहीं भटकने दिया है। भारतीय टीम के अभी कुल 116 रेटिंग प्वाइंट्स हैं।

35 महीने से वनडे क्रिकेट की ‘बेताज बादशाह’ टीम इंडिया, टी20 में भी हुकूमत कायम

भारत के बाद फिलहाल आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड दूसरे नंबर पर है, जिसके कुल रेटिंग प्वाइंट 109 हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर काबिज है। 2023 से लेकर अब तक 50 ओवर के फॉर्मेट में भारतीय टीम का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। 2023 में टीम इंडिया ने कुल 35 वनडे मैच खेले और इस दौरान 27 मुकामलों में जीत हासिल की, जबकि महज 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा। साल 2024 में भारतीय टीम ने सिर्फ 3 ही वनडे मुकामले खेले। इस दौरान टीम को 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा, तो एक मुकामला टाई रहा। टीम इंडिया के लिए साल 2025 वनडे फॉर्मेट में बेमिसाल रहा। साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब पर कब्जा जमाते हुए अपनी बादशाहत साबित की। 2025 में भारत ने कुल मिलाकर 14 वनडे मुकामले खेले और टीम को 11 में जीत नसीब हुई। वहीं, सिर्फ 3 ही मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारत का जीत प्रतिशत 78.57 का रहा। साल के आखिरी में बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के हाथों से वनडे टीम की कमान लेकर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी। गिल की कप्तानी में भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया की धरती पर वनडे सीरीज में हार मिली, पर टीम का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा।

साल 2026 में भारत ने अभी तक कुल 9 वनडे मैच खेले हैं और इस दौरान टीम को 5 में जीत, जबकि 4 मुकामलों में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान भारत को इंग्लैंड की सरजमीं पर वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। हालांकि, नए-नवेले कप्तान गिल की अगुवाई में भारत ने इस फॉर्मेट में हार बड़ी टीम को कड़ी टक्कर जरूर दी है। टी20 में भी भारत का दबदबा लगातार कायम रखा है। भारतीय टीम फरवरी 2022 से क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में जुलाई 2026 तक नंबर वन रही। इसके बाद इंग्लैंड के हाथों पांच मैचों की टी20 सीरीज 0-4 से गंवाने के बाद टीम की 1600 दिनों से चली आ रही बादशाहत कुछ दिनों के लिए इंग्लिश टीम ने खत्म की। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में बड़ी जीत के साथ ही भारत ने एक बार फिर टी20 के किंग का ताज पहन लिया। टी20 फॉर्मेट में नंबर वन रहते हुए भारत ने लगातार दो बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। 2024 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बनाया, तो 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इंडिया वर्ल्ड चैंपियन बनी। भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया और अपने ही घर में टी20 वर्ल्ड कप जीता।

सार-समाचार अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेल सकते हैं वाशिंगटन व रेड्डी



नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से टी20 सीरीज की शुरुआत होने जा रही है, जिससे पहले ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर नितिश कुमार रेड्डी को फिटनेस हासिल कर चुके हैं। ये दोनों खिलाड़ी गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। एक सूत्र ने बुधवार को ‘आईएनएस’ को बताया, ‘सुंदर और रेड्डी कुछ समय पहले ही पूरी तरह फिट हो गए थे। दोनों ने बंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट और मैच सिमुलेशन पास कर लिए हैं।’ उल्लेखनीय है कि वाशिंगटन सुंदर हैमरिटिंग की चोट के कारण सुंदर श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे। वहीं, रेड्डी ने आखिरी बार जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में खेला था, जिसके बाद उनके बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट बढ़ गई और वे आयरलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर नहीं जा पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में फील्डिंग के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह खेल से बाहर हैं। ऐसे में उनके तीन मुकामलों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल होने के बारे में अभी कोई पक्की खबर नहीं है। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा की भागीदारी पर भी शंका बनी हुई है, जो हैमरिटिंग की चोट से उबर रहे हैं। अगर इन दोनों में से कोई भी राष्ट्रीय टीम के साथ नहीं जुड़ पाता, तो तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को आखिरी समय में टीम में शामिल किया जा सकता है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान रवाना होगी। टीम इंडिया 22 सितंबर को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर मेजबान जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलेगी, जिसके बाद 28 सितंबर को कोरोजी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स में अपने गोल্ড मेडल का बचाव करने का अभियान शुरू करेंगे।

‘वह जल्द ही अपनी बेस्ट फॉर्म में लौटेंगे’

इंटर के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद जोस मोरिन्हो ने किया विनीसियस का बचाव

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जुनियर को लेकर रियल मैड्रिड के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने भरोसा जताया है। मोरिन्हो का कहना है कि विनीसियस जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौटेंगे। वैशियांस लीगा में इंटर के खिलाफ रियल मैड्रिड की 2-1 की जीत के दौरान कुछ घरेलू दर्शकों ने विनीसियस के खिलाफ हट्टिंग की थी। हालांकि, मोरिन्हो का मानना है कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द ही अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से आलोचकों का जवाब देंगे। बुधवार को सेंटियागो बर्नबेउ में 87वें मिनट में विनीसियस को सस्टैटेयूट किया गया, जिससे कुछ समर्थक उनके प्रदर्शन से नाराज दिखे। ब्राजील का यह खिलाड़ी इंटर के मजबूत डिफेंस के सामने कुछ खास प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। हालांकि, मोरिन्हो ने विंगर की आलोचना करने से इनकार किया और इसके बजाय टीम के लिए उनकी मेहनत की तारीफ की। मैच के बाद मोरिन्हो ने पत्रकारों से कहा, ‘वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं, और उन्हें यह पता है, लेकिन वह उस विनीसियस जैसा बनने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जो मैच का नतीजा तय करते हैं। अपनी बेस्ट फॉर्म में न होने के बावजूद वह पहले से कहीं अधिक मेहनत कर रहे हैं।’ पुर्तगाली मैनेजर ने थकान को भी एक कारण बताया जिसकी वजह से विनीसियस मैच के आखिर में डिफेंस में अपना काम ठीक से नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, ‘जब वह पीछे आकर डिफेंस नहीं कर पाए, तो उसकी वजह थकान थी। मुझे इसकी बहुत कद्र है। मैं विनीसियस का बहुत सम्मान करता हूँ। वह समय जरूर आएगा जब वह मैच का नतीजा तय करेंगे और हमें जीत दिलाएंगे।’ मोरिन्हो ने विनीसियस के प्रदर्शन की आलोचना का बचाव करते हुए इंटर की तकनीकी रणनीति के खिलाफ रियल मैड्रिड के अटैकर्स को हुई मुश्किलों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, ‘अगर वह मेहनत करते हैं, तो उन्हें हमेशा मेरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने टीम के लिए बहुत मेहनत की। ऐसी टीम के खिलाफ खेलना विंगर्स के लिए बहुत मुश्किल होता है जो पीछे तीन डिफेंडर और विंग-बैक का इस्तेमाल करती हैं।’ रियल मैड्रिड के बॉस का मानना ?

जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कप: शान से सेमीफाइनल में पहुंची भारत की बेटियां

पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकामले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंद दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऍंड ने भारत



की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काडू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया। मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु

सिदार ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि

रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साथथे कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साथथे कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।



एशियन गेम्स 2026

जेमिमा की जगह प्रतिका हुई भारतीय टीम में शामिल



नई दिल्ली। जापान के आइवी-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज प्रतिका रावल को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की जगह शामिल किया गया है। जेमिमा, जो भारत के मिडिल ऑर्डर की अहम खिलाड़ी हैं अभी भी हैमरिटिंग की चोट से उबर रही हैं। उन्हें यह चोट पिछले महीने की शुरुआत में ‘द हंड्रेड’ टूर्नामेंट में ‘सदर्न ब्रेव’ के लिए खेलते हुए लगी थी। इस चोट के कारण जेमिमा दुबई में चल रहे महिला एशिया कप 2026 से भी बाहर हो गई थीं। जब एशिया कप टीम में जेमिमा की जगह प्रतिका को शामिल करने की घोषणा की गई

थी, तब उसके बाद होने वाले एशियन गेम्स के लिए उनकी जगह लेने वाली खिलाड़ी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने बुधवार को ‘आईएनएस’ को बताया, ‘प्रतिका एशियन गेम्स 2026 में जेमिमा रोड्रिग्स की जगह जापान जाएंगी। एशियन गेम्स के लिए सौंपी गई 15 सदस्यीय टीम में उनका नाम शामिल है।’

प्रतिका ने दुबई में चल रहे एशिया कप में अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया और भारतीय टीम मैनेजमेंट ने उन्हें नंबर तीन पोजीशन पर खेलने के लिए चुना। टूर्नामेंट के लीग स्टेज में प्रतिका ने 22, 10 और 4 रन बनाए हैं। एशिया कप

एशियन गेम्स के लिए भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, प्रतिका रावल, भारती कुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कामलिनी (विकेटकीपर), दीपि शर्मा, राधा यादव, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गोड़, रेणुका सिंह, एन. श्री वरणी और नदिनी शर्मा।

के लिए भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में उन्हें अचानक तब बुलाया गया जब वह इंग्लैंड में ‘वन डे कप’ में ‘वार्किंशायर’ के लिए खेलने की तैयारी कर रही थीं। हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले प्रतिका ने नवंबर 2024 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी टी20 मैच नहीं खेला था, महिला वनडे वर्ल्डकप 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा और वह काफी समय तक क्रिकेट नहीं खेल सकीं।

उस चोट के कारण प्रतिका महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का 2026 एडिशन भी नहीं खेल पाईं। उन्हें पिछले साल नई दिल्ली में हुए प्लेयर ऑक्शन में यूपी वॉरियर्स ने 50 लाख रुपये में खरीदा था। भारतीय टीम मैनेजमेंट को उम्मीद होगी कि रावल मिडिल ऑर्डर में जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगी, क्योंकि गुरुवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट रेस्ट्रियम में होने वाले सेमीफाइनल में भारत का मुकामला बांग्लादेश से होना है। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक होगी।

वनडे रिकॉर्ड: डेब्यू मैच में हरमन ने जड़े 150 रन

हमवतन खिलाड़ी के ‘वर्ल्ड रिकॉर्ड’ की बराबरी

चिंडहोक। साउथ अफ्रीका के 24 वर्षीय बल्लेबाज जॉर्डन हरमन वनडे डेब्यू मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने के मामले में संयुक्त रूप से ‘नंबर-1’ बन गए हैं। बाएं हाथ के सलामी



बल्लेबाज ने बुधवार को नाम्बिया क्रिकेट ग्राउंड पर नाम्बिया के खिलाफ 126 गेंदों में 3 छक्कों

और 17 चौकों के साथ 150 रन जड़े। इसी के साथ हरमन ने हमवतन मैथ्यू ब्रीजके के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिन्होंने 10 फरवरी 2025 को न्यूजीलैंड के विरुद्ध वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करते हुए 148 गेंदों में 16 बाउंड्री के साथ 150 रन की पारी खेली थी। पुरुषों की इस लिस्ट में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेरस (148 बनाम ऑस्ट्रेलिया) तीसरे और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज (127 बनाम आयरलैंड) चौथे स्थान पर हैं। भारत की तरफ से केएल राहुल डेब्यू वनडे मैच में शतक लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 348 रन बनाए। साउथ अफ्रीका ने महज 27 के स्कोर पर कॉनर एस्टरहुइजेन (10) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद हरमन ने टोनी डी जोरजी के साथ दूसरे विकेट के लिए 166 गेंदों में 190 रन जोड़कर टीम को दोहरे शतक के पार पहुंचा दिया।

जोरजी 84 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 72 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद हरमन ने देवाल्ड ब्रेविस (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रन जुटाए। टीम को हरमन के रूप में 275 के स्कोर पर तीसरा झटका लगा, जिसके बाद 292 रन तक 5 विकेट गिर गए।

इसके बाद कॉर्बिन बॉश (नाबाद 39) ने जेसन स्मिथ (15) के साथ छठे विकेट के लिए 32 गेंदों में 41 रन जुटाकर टीम को तिहरे शतक के पार पहुंचाया। नाम्बिया की तरफ से रूबेन टम्पेलमैन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि जेजे स्मिट और गेरहार्ड इरास्मस को 1-1 विकेट हाथ लगा।

दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के तीन मुकामले 9, 11 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। साउथ अफ्रीका सीरीज का पहला मैच जीतकर बढ़त हासिल करना चाहेगा।